दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 179 | ग्वालियर बुधवार, 19 अप्रैल 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एक नजर

अतीक अहमद हत्याकांड में शामिल अरुण मौर्या की क्राइम कुंडली

गैंगस्टर और नेता रहे अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की हत्या के बाद आरोपियों की क्राइम कुंडली सामने आ रही है. तीन आरोपियों में से एक अरुण मौर्या को लेकर हरियाणा पुलिस ने बेहद अहम जानकारी दी है. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अरुण मौर्या के खिलाफ हरियाणा के पानीपत में पिछले साल दो मामले दर्ज किए गए थे.

पानीपत के पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत ने पीटीआई को फोन पर बताया, अरुण मौर्य पर 2022 में दो मुकदमे दर्ज हुए थे. उन्होंने कहा कि एक मामला शस्त्र अधिनियम के प्रावधानों के तहत फरवरी 2022 में अवैध हथियार रखने पर दर्ज किया गया था, जबकि दूसरा मामला मई में मारपीट को लेकर दर्ज किया गया था. अरुण को जेल भी हुई थी. अधिकारी ने कहा कि पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज होने समय अरुण की उम्र लगभग 18 साल थी. उन्होंने कहा कि अरुण दोनों मामलों में जमानत पर था.पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी हरियाणा के पानीपत और उत्तर प्रदेश के कासगंज में अपने पैतृक गांव कादरवाड़ी में रह रहा था. मौर्या का परिवार कासगंज से है लेकिन उसके दादा पानीपत में काम करते थे. अरुण के चाचा सुनील के मुताबिक आरोपी ने मैट्रिक की पढ़ाई की है.आरोपी के चाचा सुनील पानीपत में ही रहते हैं. उन्होंने मीडिया को बताया था कि अरुण का एक 12 साल भाई भी है जो पढ़ता है. सुनील ने बताया कि वह हाल में अपने पैतृक गांव गए थे लेकिन वहां पता चला के अरुण ने अपने परिवार को बताया है कि दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए वह दिल्ली जा रहा है. सुनील ने कहा कि अतीक और अशरफ की हत्या के बारे में जानकारी तब हुई जब पुलिस अरुण के बारे में पूछताछ करने के लिए पानीपत में उसके घर पहुंची.गौरतलब है कि शनिवार (15 अप्रैल) को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में अतीक और उसके भाई अशरफ की तीन हमलावरों ने मीडियाकर्मी के वेश में आकर हत्या कर दी थी. आरोपियों में अरुण के अलावा, यूपी के बांदा का लवलेश तिवारी और हमीरपुर का मोहित उर्फ सन्नी शामिल है. तीनों को तुरंत धर-दबोचा गया था. पुलिस में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, हमलावरों ने पुलिस को बताया कि क्राइम की दुनिया में कुख्यात होने के लिए उन्होंने अतीक और अशरफ की हत्या की.

आप ने एक बार फिर शैली ओबरॉय और आले इकबाल पर लगाया दांव, दाखिल किया नामांकन

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह और शिक्षा मंत्री आतिशी की उपस्थिति में डॉ. शैली ओबरॉय ने आज दिल्ली नगर निगम मुख्यालय सिविक सेंटर में मेयर पद के लिए नामांकन किया. वहीं डिप्टी मेयर पद पर आले मोहम्मद इकबाल ने नामांकन किया है. इसके बाद राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बीजेपी पर जवाबी हमला करते हुए कहा कि बीजेपी ऐसी पार्टी है जो जनादेश नहीं मानती है. उनकी राजनीति खरीद-फरोख्त की है. लेकिन दिल्ली की जनता ने अरविंद केजरीवाल पर भरोसा जताया है. इसके जरिए दिल्ली मॉडल पर मुहर लगाई है. बीजेपी के 15 साल के कुशासन को दिल्ली की जनता ने खत्म किया है.संजय सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने फिर एक बार डॉ. शैली ओबरॉय और आले मोहम्मद इकबाल को मेयर- डिप्टी मेयर का प्रत्याशी बनाया है. आम आदमी पार्टी की तरफ से उन्होंने अभी नामांकन किया है. मैंने पहले भी कहा था संख्या बल आम आदमी पार्टी के साथ है. भारी बहुमत से मेयर और डिप्टी मेयर हमारे बनेंगे.संजय सिंह ने कहा कि डॉ. शैली ओबरॉय और आले मोहम्मद इकबाल को जब से जिम्मेदारी मिली है तब से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल खुद जाकर देख रहे हैं कि दिल्ली की एमसीडी की हालत क्या है. उसको कैसे सुधारा जा सकता है. इसके अलावा शिक्षा मंत्री आतिशी स्कूलों की हालत देख रही हैं. हम लोग काम करने में यकीन रखते हैं.वहीं आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि क्की तरफ से डॉ शैली ओबरॉय और आले मोहम्मद इकबाल ने मेयर-डिप्टी मेयर पद पर नॉमिनेशन किया है. हमें पूरा भरोसा है कि भारी बहुमत से दोनों चुनाव जीतेंगे. जिस तरह से पिछले कार्यकाल में तेज रफ्तार से काम हुए हैं, उसी तरह आगे भी होंगे.दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि हमारे मेयर-डिप्टी मेयर एसी कमरों में नहीं रहते हैं, बल्कि फील्ड में घूमते हैं. वह कूड़े के पहाड़ से लेकर अलग-अलग वार्डों, स्कूलों और अस्पतालों में जाते हैं. इससे सिस्टम में एक फुर्ती आ गई है. मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल खुद कूड़े के पहाड़ों से लेकर साफ-सफाई और विकास कार्यों की निजी तौर पर निगरानी कर रहे हैं. अभी जिस गति से काम चल रहे हैं, उसी तरह मेयर चुनाव के बाद होंगे. दिल्ली सरकार और एमसीडी मिलकर आगे काम करती रहेगी.मेयर पद की उम्मीदवार डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का धन्यवाद करना चाहूंगी कि एक बार फिर से मुझे मौका दिया.

समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने पर सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों की संविधान पीठ कल सुनवाई करेगी.

याचिका में स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत समलैंगिक विवाह के रजिस्ट्रेशन की मांग की गई है. इस बीच केंद्र ने नया आवेदन दाखिल कर कहा है कि कोर्ट को यह सुनवाई नहीं करनी चाहिए. कोर्ट अपनी तरफ से विवाह की नई संस्था नहीं बना सकता.केंद्र सरकार ने यह भी कहा है कि समलैंगिक शादी को मान्यता देने की मांग ब? शहरों में रहने वाले कुछ अभिजात्य लोगों की है. भारत की ब?ी आबादी छोटे शहरों और गांवों में बसती है. इस तरह की शादी को कानूनी दर्जा देने का असर सब पर प?ेगा. हर पहलू पर विचार कर कानून बनाना संसद का काम है. सुप्रीम कोर्ट को यह नहीं करना चाहिए.सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिकाओं में समलैंगिक विवाह को भी स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत लाकर उनका रजिस्ट्रेशन किए जाने की मांग की गई है. याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिकता को अपराध मानने वाली ढ्ढक्कष्ट की धारा 377 के एक हिस्से को रद्द कर दिया था. इसके

चलते दो वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बने समलैंगिक संबंध को अब अपराध नहीं माना जाता. ऐसे में साथ रहने की इच्छा रखने वाले समलैंगिक जोड़ों को कानूनन शादी की भी अनुमति मिलनी चाहिए.इस साल 6 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक शादी के मसले पर केंद्र को नोटिस जारी किया था. साथ ही अलग-अलग हाई कोर्ट में लंबित याचिकाओं को अपने पास ट्रांसफर कर लिया था. अब कोर्ट के सामने 15 से अधिक याचिकाएं हैं. ज्यादातर याचिकाएं गे, लेस्बियन और ट्रांसजेंडर लोगों ने दाखिल की हैं. चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचू?, जस्टिस संजय किशन कौल, एस रविंद्र भट, पी एस नरसिम्हा और हिमा कोहली की बेंच इस पर सुनवाई करेगी.मामले पर जवाब देते हुए केंद्रीय कानून मंत्रालय ने कहा है कि संसद से पारित विवाह कानून और अलग-अलग धर्मों की परंपराएं समलैंगिक शादी को स्वीकार नहीं करतीं. ऐसी शादी को मान्यता मिलने से दहेज, घरेलू हिंसा कानून, तलाक, गुजारा भत्ता, दहेज हत्या जैसे तमाम कानूनी प्रावधानों को अमल में ला पाना कठिन हो जाएगा. यह सभी कानून एक पुरुष को पति और महिला को पत्नी मान कर ही बनाए गए हैं.राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने भी मामले में आवेदन दाखिल करते हुए समलैंगिक जोड़ों को बच्चा गोद लेने की इजाजत देने का विरोध किया है. आयोग ने कहा है कि बच्चों के साथ इस तरह का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए. कई शोध यह कहते ह

जाति जनगणना के मुद्दे पर कांग्रेस ने क्यों तेज की मुहिम?

जातिगत जनगणना के मुद्दे पर मुहिम तेज करते हुए कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए बड़ा दांव चल दिया है. रविवार को कर्नाटक में राहुल गांधी ने पीएम मोदी को 2011 में यूपीए सरकार के समय हुए जाति जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक करने की चुनौती दी तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर जातिगत जनगणना करवाने की मांग कर डाली. कांग्रेस ने नारा भी दिया है जितनी आबादी, उतना हक कांग्रेस ने पिछ्ले साल उदयपुर चिंतन शिविर में ही जाति जनगणना का समर्थन किया था. लेकिन अचानक इस मुद्दे पर आई तेजी के पीछे कई ठोस वजह है. मोदी सरनेम पर टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी को हुई सजा के बाद बीजेपी इसे ओबीसी का अपमान बता कांग्रेस को घेर रही थी. अब कर्नाटक के कोलार में पलटवार करते हुए राहुल गांधी ने कह दिया है कि यदि पीएम मोदी जाति जनगणना के आंकड़े नहीं बताते तो यह ओबीसी का अपमान होगा. राहुल गांधी ने एससी, एसटी को आबादी के अनुपात में आरक्षण देने और आरक्षण पर 50त्न की अधिकतम सीमा को खत्म करने की मांग भी कर डाली.कर्नाटक चुनाव में बीजेपी ने एससी, एसटी आरक्षण बढ़ाने का दांव चला है. इसकी काट में कांग्रेस आबादी के मुताबिक, आरक्षण की बात कर रही है. दलित, आदिवासी पिछड़ों को साथ में करने के लिए ही राहुल गांधी ने मंच से जाति जनगणना की मांग की.जाति जनगणना के मुद्दे पर विपक्षी एकजुटता की नींव भी डालने की कोशिश की जा रही है. जातिगत जनगणना का मुद्दा विपक्षी गठबंधन के साझा न्यूनतम कार्यक्रम में काफी अहम रहने वाला है. सूत्रों के मुताबिक, बीते दिनों नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के साथ खरगे और राहुल गांधी की मुलाकात में भी इसको लेकर चर्चा हुई. नीतीश सरकार बिहार में जातिगत जनगणना करवा रही है.

कर्नाटक चुनाव के लिए बीजेपी ने उम्मीदवारों की तीसरी लिस्ट जारी की,

जगदीश शेट्टार की सीट से इन्हें बनाया उम्मीदवार कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने सोमवार (17 अप्रैल) को 10 उम्मीदवारों की तीसरी लिस्ट जारी की है. बीजेपी विधायक अरविंद लिंबावली की पत्नी मंजुला अरविंद लिंबावली महादेवपुरा से चुनाव लड़ेंगी. पूर्व सीएम जगदीश शेट्टार की हुबली धारवाड़ मध्य सीट से महेश तेंगिनाकाई को उम्मीदवार बनाया गया है. जगदीश शेट्टार आज ही कांग्रेस में शामिल हुए हैं. महेश तेंगिनाकाई बीजेपी की राज्य इकाई में महासचिव हैं. महेश लिंगायत समुदाय के एक प्रमुख नेता हैं, जिनकी हुबली-धारवाड़ क्षेत्र में अच्छी खासी उपस्थिति है. वह दो दशकों से अधिक समय से बीजेपी से जुड़े हुए हैं और पार्टी संगठन में विभिन्न पदों पर रहे हैं. वह एक सफल व्यवसायी और सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं. दूसरी ओर, जगदीश शेट्टार एक अनुभवी राजनेता और हुबली-धारवाड़ सेंट्रल से छह बार के विधायक हैं. वह 2012 से 2013 तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री थे.

भारत में 43 फीसदी मुख्यमंत्रियों पर है क्रिमिनल केस;

भारत में साल 2023 को चुनावी साल के तौर पर देखा जा रहा है. इस साल देश में दक्षिण, पूर्वोत्तर से लेकर उत्तर के राज्यों तक में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. पूर्वोत्तर के कई राज्यों में चुनाव हो चुके है, परिणाम भी आ चुका है लेकिन अभी भी कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना जैसे राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं. ऐसे में देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री कौन हैं, उनकी औसत संपत्ति कितनी है जैसे कई सवाल एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं.दरअसल 12 अप्रैल को एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानी-ष्ठक्रकी रिपोर्ट आई है. इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और नेशनल इलेक्शन वॉच ने देश के 30 मुख्यमंत्रियों के शपथ पत्रों का

विश्लेषण किया है. जिसके अनुसार भारत के 30 मुख्यमंत्रियों में से 29 मुख्यमंत्री करोड़पति हैं और इनकी औसतन संपत्ति 33.96 करोड़ रुपये है. जबकि 43 फीसदी मुख्यमंत्रियों पर आपराधिक मामला दर्ज हैं.रिपोर्ट के अनुसार सबसे ज्यादा संपत्ति आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के पास है. दरअसल मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने 510 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति की घोषणा की ह

आंध्र प्रदेश सीएम जगन मोहन रेड्डी के चाचा गिरफ्तार

नई दिल्ली। पूर्व सांसद विवेकानंद रेड्डी हत्याकांड मामले में सीबीआई ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के चाचा वाईएस भास्कर रेड्डी को गिरफ्तार कर लिया है. भास्कर रेड्डी की गिरफ्तारी सीबीआई की तरफ से 48 घंटे के अंदर की गई दूसरी गिरफ्तारी है. इससे पहले जांच एजेंसी ने कडप्पा सांसद वाईएस अविनाश रेड्डी के करीबी गज्जला उदय कुमार को गिरफ्तार किया था. राज्य विधानसभा चुनाव से कुछ हफ्ते पहले 15 मार्च, 2019 की रात पुलिवेंदुला में विवेकानंद रेड्डी के निवास पर उनकी हत्या कर दी गई थी. हत्या के दौरान वह घर पर अकेले थे. इस मामले की शुरुआती जांच राज्य अपराध जांच विभाग के एक विशेष जांच दल की तरफ से की जा रही थी, लेकिन जुलाई 2020 में इसे सीबीआई को सौंप दिया गया था.

पुणे में एनआईए का एक्शन, स्कूल के दो फ्लोर किए कुर्क,

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने रविवार (16 अप्रैल) को महाराष्ट्र के पुणे में एक स्कूल की इमारत की दो मंजिलों को कुर्क कर दिया. एनआईए के मुताबिक, इस स्कूल की इमारत में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और उन्हें प्रेरित करने के लिए शिविर आयोजित कर रहा था और एक समुदाय विशेष के नेताओं और संगठनों पर हमले और टारगेट किलिंग को अंजाम देने के लिए उन्हें प्रशिक्षित कर रहा था. स्कूल बिल्डिंग की चौथी और पांचवीं मंजिल का इस्तेमाल पीएफआई ने भारत की एकता, अखंडता और सुरक्षा को खतरे में डालने के उद्देश्य से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बनाने के लिए किया था. पीएफआई इन परिसरों में निर्दोष मुस्लिम युवकों को संगठन में भर्ती कर रहा था और उन्हें 2047 तक देश में इस्लामिक शासन की स्थापना का विरोध करने वालों को खत्म करने/हमला करने के लिए सशस्त्र

और निहत्थे प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहा था.ी की 13 अप्रैल 2022 को दर्ज एफआईआर मामले में यूए (पी) अधिनियम, 1967 के प्रावधानों के तहत एनआईए ने %आतंकवाद की ट्रेनिंग का हिस्सा% के रूप में दो मंजिलों को अटैच किया था. 18 मार्च 2023 को एनआईए की विशेष अदालत ने दिल्ली में पीएफआई सहित 20 अभियुक्तों के खिलाफ एक संगठन के रूप में चार्जशीट दायर की थी.एनआईए ने पिछले साल 22 सितंबर को स्कूल परिसर की दो मंजिलों की तलाशी ली थी. एजेंसी ने आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए थे, जिनसे पता चला था कि उक्त संपत्ति का इस्तेमाल अपने कैडरों के लिए शस्त्र प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए आरोपियों ने किया था. इन्हें पीएफआई से जुड़ा पाया गया था. प्रशिक्षण शिविरों में निर्दोष मुस्लिम युवाओं को सरकार, साथ ही एक विशेष समुदाय के नेताओं और संगठनों के खिलाफ भड़काने के लिए एक मंच भी दिया गया.

टीएमसी नेता साकेत गोखले को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने इस आधार पर दी जमानत

कोविड पीड़ितों की सहायता के लिए लोगों से लिए गए चंदे के गबन के आरोपी तृणमूल कांग्रेस नेता साकेत गोखले को सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को जमानत दे दी. 100 दिन से ज्यादा समय से जेल में होने और मामले में चार्जशीट दाखिल हो जाने के आधार पर कोर्ट ने जमानत दी है. गोखले को दिसंबर में गुजरात पुलिस ने गिरफ्तार किया था. गुजरात हाई कोर्ट ने मामले को गंभीर बताते हुए जमानत से मना कर दिया था. जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने कहा कि वह टीएमसी प्रवक्ता की अर्जी को स्वीकार करने की इच्छुक है क्योंकि मामले में चार्जशीट पहले ही दायर हो चुकी है. साकेत गोखने के वकील ने बेंच को बताया कि उनके मुवक्किल 108 दिनों से जेल में हैं. वहीं, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने गोखले की अर्जी

का विरोध किया. हालांकि बेंच ने याचिका को स्वीकार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी.गुजरात हाई कोर्ट ने कहा था कि गोखले के खिलाफ प्रथम दृष्ट्या मामला बनता है. गुजरात हाई कोर्ट में गवाहों के बयानों के आधार पर तर्क दिया गया था कि गोखले ने न सिर्फ शिकायतकर्ता की पत्नी से, बल्कि 1767 व्यक्तियों से धन प्राप्त किया था. हाई कोर्ट ने देखा कि ये राशि सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हुए जुटाई गई थी और ज्यादातर लेनदेन ऑनलाइन हुआ था. सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने इस मामले पर गुजरात सरकार से जवाब मांगा था.बता दें कि गुजरात सरकार में उप सचिव के रूप में काम करने वाले शिकायतकर्ता ने 28 दिसंबर 2022 को गोखले के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उप सचिव की पत्नी ने गोखले की ओर से शुरू की गई क्राउडफंडिंग में योगदान के रूप में कुछ राशि का भुगतान किया था. फंड का इस्तेमाल गरीब लोगों के कल्याण के लिए किया जाना था. हालांकि, आरोप लगाया गया कि गोखले ने अपने निजी खर्चों के लिए धन की हेराफेरी की. वहीं, गोखले अपने बचाव में तर्क दिया था

नशे में 20 किमी तक सिपाही को बोनट पर घसीटा

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नवी मुंबई से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. यहां एक 22 साल का युवक गांजे के नशे में ट्रैफिक पुलिस के सिपाही को अपनी कार के बोनट पर करीब 20 किलोमीटर तक घसीटे दिखाई दिया. सोशल मीडिया पर घटना की वीडियो तेजी से वायरल हो रही है. घटना के बाद पुलिस ने आरोपित कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है. घटना शनिवार (15 अप्रैल) की है जब 22 साल के लड़का जिसका नाम आदित्य बेमड़े बताया जा रहा है. उसने पहले सिग्नल तोड़ा जिसे मौके पर मौजूद सिपाही ने रोकने की कोशिश की. आदित्य गांजे के नशे में इतना चूर था कि उसने कार की रफ्तार बढ़ाई और सिपाही बोनट पर जा गिरा. ट्रैफिक पुलिस के सिपाही का नाम सिद्वेश्वर माली है जो 37 साल के हैं. घटना की सामने आयी वीडियो में सिद्धेश्वर कार के बोनट पर लटके दिखाई दे रहे हैं और कार तेज रफ्तार में चल रही है. घटना के दौरान कार चालक ने कई बार सिपाही को रफ्तार बढ़ाकर और कार में झटके देकर गिराने का प्रयास किया लेकिन सिपाही ने किसी तरह खुद को बचा लिया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस कंट्रोल रूम को घटना की जैसे ही सूचना मिली वैसे ही वायरलेस संदेशों से सतर्क किया. पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए कार चालक को धर दबोचा और गिरफ्तार कर लिया. वाशी पुलिस थाने के विरिष्ठ निरीक्षक शशिकांत चांडेकर ने बताया, कार चालक का मेडिकल कराया गया है जिसमें पुष्टि हुई है कि वो नशीला पदार्थ (गांजे) का सेवन किए हुए था. पुलिस ने आदित्य के खिलाफ हत्या की कोशिश का मामला दर्ज किया है.

बेशुमार दौलत का मालिक था अतीक अहमद! परिवार के पास 1100 करोड़ की प्रॉपर्टी

प्रयागराज में शनिवार (15 अप्रैल) की रात लाइव टीवी पर समाजवादी पार्टी और अपना दल के पूर्व सांसद अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की गोली मारकर हत्या कर दी गई. इस घटना के बाद से योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर तमाम सवाल खड़े हुए. विपक्ष भी मुद्दे को लेकर यूपी सरकार को घेरे हुए है. चलिए आपको बताते हैं माफिया अतीक के पास कितना पैसा था. उत्तर प्रदेश से पांच बार के विधायक और एक बार सांसद अतीक और उसके परिवार के खिलाफ 160 आपराधिक मामले दर्ज थे. समय के साथ यूपी पुलिस ने अहमद से संबंधित 11,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति जब्त कर ली थी. पिछले कुछ दिन पहले झांसी में यूपी पुलिस के साथ मुठभेड़ में उसका बेटा असद भी मारा गया था. यूपी पुलिस अब तक अतीक और उसके परिवार के सदस्यों की 11,684 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर चुकी है. पुलिस ने अतीक की पत्नी शाइस्ता की संपत्तियों को भी जब्त कर लिया है, जिसके खिलाफ तीन आपराधिक मामले भी दर्ज हैं. प्रयागराज

जिला प्रशासन ने पहले कहा था कि उसने अतीक अहमद के परिवार की तरफ से जबरन कब्जा की गई 417 करोड़ रुपये की संपत्ति जारी की है. अतीक अहमद के खिलाफ प्रयागराज और लखनऊ के विभिन्न थानों में हत्या, रंगदारी, धोखाधड़ी, जमीन पर कब्जे जैसे तमाम अपराधों में 40 से अधिक एफआईआर दर्ज हैं. मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, राज्य में माफिया गतिविधियों पर आदित्यनाथ सरकार की कार्रवाई के बाद अतीक को अवैध टेंडर और संपर्कों के अपने कारोबार को बंद करना पड़ा. रिपोर्ट के अनुसार बंद होने के कारण अतीक और परिवार को प्रति वर्ष 1200 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था.

चौकी हिम्मतपुर थाना पिछोर पुलिस की बड़ी कार्यवाही

4000 लीटर अवैध लहान नष्ट व हाथ भट्टी की कच्ची शराब मय शराब बनाने के सामान सहित कीमत करीब एक लाख 50 हजार रूपए की जप्त

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पिछोर, पुलिस अधीक्षक शिवपुरी रघुवंश सिंह भदोरिया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी प्रवीण कुमार भूरिया के निर्देशन में एव एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में आज दिनांक 17/04/2023 को थाना प्रभारी पिछोर गब्बर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में अवैध शराब विरोधी अभियान के तहत चौकी हिम्मतपुर थाना पिछोर पुलिस ने मजरा नया गांव करारखेड़ा के तालाब किनारे अवैध शराब बनाने के अड्डों पर छापा मारकर ड्रामो एवं कटिंयो में भरा हुआ 4000 लीटर शराब बनाने का गुड़ का लहान व भट्टी नष्ट की यह लोग भारी पैमाने पर बेचने के लिए शराब तैयार कर रहे थे लेकिन पुलिस ने शराब बनाने के अडे नष्ट कर दिए तथा मौके पर हाथ भट्टी की कच्ची शराब 20 लीटर जप्त की गई आरोपी रानू राजा पुत्र ईश्वर सिंह चौहान निवासी ग्राम करारखेड़ा के विरुद्ध अपराध क्रमांक 173/23 धारा (34) (1) आबकारी एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में ले लिया गया गया है अवैध शराब बनाने वालों के विरुद्ध यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी

उक्त कार्यवाही में-थाना प्रभारी निरीक्षक गब्बर सिंह गुर्जर, चौकी प्रभारी हिम्मतपुर उनि, नितिन भार्गव, जहान सिंह, प्रधान आरक्षक हिमांशु चतुर्वेदी, राजेंद्र यादव, हीरा सिंह, प्रतिपाल सिंह, जितेंद्र गुर्जर, हाकिम वर्मा, देशराज गुर्जर, सैनिक राकेश परमार, ब्रजकिशोर शर्मा, सैनिक सरनाम सिंह की सराहनीय भूमिका रही

पिछोर में तात्या टोपे बलिदान दिवस मनाया गया

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पिछोर (शिवपुरी) सन 18 57 स्वतंत्रता संग्राम के महानायक वीर तात्या टोपे जी को याद करते हुए आज पिछोर उत्कृष्ट विद्यालय मैं खंड स्तर पर बलिदान दिवस धूमधाम से मनाया गया।कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पिछोर श्री पुष्पेंद्र व्यास एवं विकास खंड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता द्वारा महानायक वीर तात्या टोपे की तस्वीर पर तिलक लगाकर माल्यार्पण कर उनकी पूजा अर्चना की। कार्यक्रम में उपस्थित धर्मेंद्र पटेरिया प्राचार्य कन्या संकुल पिछोर ,गंधर्व सिंह जाटव प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय पिछोर एवं विद्यालय में उपस्थित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षिकाएं तथा विद्यालय संबंधित छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित वरिष्ठ जनों ने महानायक वीर तात्या टोपे के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपने अपने विचार रखें इसके साथ ही अधिकारियों शिक्षकों एवं छात्र छात्राओं द्वारा एक रैली उत्कृष्ट विद्यालय से प्रारंभ कर कॉलेज चौराहा बस स्टैंड डाक बंगला महारानी लक्ष्मी बाई से नारे लगाती होती हुई सभा स्थल पर पहुंची वहां पर छात्र-छात्राओं द्वारा कार्यक्रम कर फल आदि वितरण किए गए एवम कार्यक्रम का समापन किया गया।

पिछोर पुलिस की लंबित अपराधों मे फरार चल रहे आरोपियों पर बडी कार्यवाही

पुलिस थाना पिछोर द्वारा हत्या के मामले मे फरार 2000/- रुपये का इनामी आरोपी को किया गिरफ्तार

राकेश परिहार पिछोर

पिछोर दिनांक 22.09.22 को फरियादी द्वारा अपने भाई बृजेश केवट की आरोपीगण मन्त ठाकुर, मोहित ठाकुर, कल्लू ठाकुर, गब्बर ठाकुर निवासीगण भगवंतपुरा के विरुद्ध जहर देकर हत्या करने की रिपोर्ट थाने पर की थी जिस पर से थाना हाजा पर अपराध क्र. 553/22 धारा 323,324,506,34,302 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । दौराने विवेचना प्रकरण के आरोपी हेमन्त पुत्र हरिसिंह ठाकुर उम्र 28 साल, कल्लू उर्फ सामंत ठाकुर पुत्र भूरे सिंह ठाकुर उम्र 30 साल, मोहित ठाकुर पिता हरि सिंह ठाकुर उम्र 27 साल नि.गण भगवंतपुरा को गिरफ्तार किया गया है । प्रकरण में फरार आरोपी गब्बर पुत्र राय सिंह ठाकुर निवासी भगवंतपुरा थाना पिछोर घटना दिनांक से फरार था । जिस पर पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा 2000/- रुपये का इनाम घोषित किया गया था । विवेचना के दौरान दिनाँक 17.04.23 को थाना प्रभारी पिछोर को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि उक्त प्रकरण का फरार आरोपी गब्बर सिंह पुत्र राय सिंह ठाकुर निवासी भगवंतपुरा का नया चौराहे पर कहीं जाने की फिराक में खड़ा है उक्त सूचना से पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण कुमार भूरिया , एसडीओपी पिछोर श्री प्रशान्त शर्मा को अवगत कराया गया। उक्त सूचना पर थाना प्रभारी गब्बर सिंह गुर्जर व्दारा पुलिस अधीक्षक महोदय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण कुमार भूरिया , एसडीओपी पिछोर के मार्गदर्शन में त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना पिछोर के बल के साथ कार्यवाही करते हुए आरोपी गब्बर सिंह पुत्र राय सिंह ठाकुर निवास भगवंतपुरा को गिरफ्तार किया गया बाद आरोपी को माननीय न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक गब्बर सिंह गुर्जर , उप निरीक्षक बीएल दोहरे,उनि विनोद भार्गव , प्रआर. 252 हिमांशु चतुर्वेदी ,प्रआर 95 हीरा सिंह ,आर. 590 बचान सिंह तोमर ,आर. 588 रूपेन्द्र यादव ,आर. 102 प्रदीप कौरव की सराहनीय भूमिका रही।

अमर शहीद तात्या टोपे के बलिदान दिवस पर शहीद मेले का आयोजन

श्रद्धांजलि सभा में तात्या टोपे के बलिदान को किया याद

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- अमर शहीद तात्या टोपे के बलिदान दिवस के अवसर पर दो दिवसीय शहीद मेला का आयोजन किया जा रहा है। तात्या टोपे समाधि स्थल पर दो दिवसीय कार्यक्रम रखा गया है। बलिदान दिवस के अवसर पर सोमवार 18 अप्रैल को सुबह तात्या टोपे समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त और पाठ्य पुस्तक निगम के उपाध्यक्ष प्रहलाद भारती, नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर दिग्विजय सिंह सिकरवार ने तात्या टोपे के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान पर प्रकाश डाला। श्रद्धांजलि सभा में तात्या टोपे के वंशज सुभाष टोपे, पूर्व विधायक माखनलाल राठौर, कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक रघुवंश कुमार सिंह, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, शहर के गणमान्य नागरिक और स्कूली छात्र छात्रा शामिल हुए।इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद प्रोफेसर दिग्विजय सिंह सिकरवार ने तात्या टोपे के बलिदान को याद करते हुए कहा कि तात्या टोपे ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाई है उनके बलिदान को आज हम सभी याद कर रहे हैं।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रहलाद भारती ने अपने संबोधन में कहा कि जो राष्ट्र, समाज और देश के लिए जीते हैं उन्हें इतिहास याद रखता है। श्रीकृष्ण सरल की दो पंक्तियाँ सुनाकर कहा अमर शहीद तात्या टोपे के बलिदान दिवस के अवसर पर आज हम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।श्रद्धांजलि सभा से पहले कार्यक्रम में अतिथियों ने तात्या टोपे की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और ध्वजारोहण किया गया और इस प्रकार दो दिवसीय शहीद मेला का शुभारंभ हुआ।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से संबंधित प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्रस्वराज संस्थान संचालनालय एवं जिला प्रशासन के समन्वय से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में जनसंपर्क विभाग सहित विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदर्शनी में शिवपुरी जिले से संबंधित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की ?ोटो प्रदर्शनी लगाई गई है। सैनिकों से संबंधित अस्त्र-शस्त्र की प्रदर्शनी लगाई गई है। शहर के नागरिक प्रदर्शनी का अवलोकन कर रहे हैं। श्रद्धांजलि सभा के दौरान मुख्य अतिथि सहित गणमान्य नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

आज विदिशा के कलाकार देंगे सांस्कृतिक प्रस्तुतियां-शहीद मेला में 19 अप्रैल को विदिशा के परमानंद केवट एवं उनके दल द्वारा लोक गीत एवं लोक नृत्य के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। तात्याटोपे शहीद मेले में आयोजित इन कार्यक्रमों में जिला प्रशासन द्वारा समस्त नागरिकों से अपील की है कि वह अपने निकट संबंधी, मित्रजन एवं परिवारजनों के साथ महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद तात्याटोपे के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने एवं देशभक्ति तथा लोकरंग के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में पधारें।

पुलिस थाना कोतवाली एवं एडी टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते तीन जगह से कुल 62000 रुपये एवं सट्टा सामाग्री जप्त की

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी के द्वारा जिले में आईपीएल सट्टा शराब माफिया अवैध मादक पदार्थ भूमफिया के विरूद्ध कडी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं, तथा सट्टे पर जीरो टॉलरेंस अपनाने हुये कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देशों के पालन मे अति. पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण भूराया तथा एसडीओपी शिवपुरी श्री अजय भार्गव के मार्गदर्शन में आज थाना कोतवाली एवं एडी टीम द्वारा संयुक्त रुप से कार्यवाही करते हये जगह-जगह छापे मारी कर तीन आरोपियों को सट्टा संचालित करते हुये पकड़ कर कार्यवाही की है । पुलिस अधीक्षक शिवपुरी के निर्देशन मे पुलिस थाना कोवाली एवं एडी टीम द्वारा कार्यवाही करते हुये कोर्ट रोड, संजय लॉज के पास, कमलागंज जाटव मुहल्ला एवं फतेहपुर पर दबिस देकर 12 लोगों को अवैध गतिविधी एवं सट्टा संचालित करते हुये पाये गये जिन्हें पुलिस द्वारा पकड़ कर करीब 62000रु. जप्त किये हैं ।उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी कोतवाली निरी. अमित भदौरिया, एडी टीम प्रभारी उनि. रविन्द्र सिकरवार, उनि. सुमित शर्मा, उनि. आदित्य सिंह राजावत, उनि. दिनेश कोठारी,सउनि अजय पाल ,प्रआर नरेश यादव, नरेश दुबे ,आर. महेन्द्र तोमर, भोले, जलज, आलोक की शराहनीय भूमिका रही ।

आम जन की सुबिधा हेतु पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा पुलिस अधीक्षक हेल्प डेस्क एवं सीनियर सिटीजन हेल्प डेस्क शुरु किया गया राकेश परिहार

शिवपुरी ,पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह द्वारा आमजन की सुविधा को देखते हुये पुलिस अधीक्षक हेल्प डेस्क एवं सीनियर सिटीजन हेल्प डेस्क शुरु किया गया शुरु किया गया है । जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लोग अपनी शिकायतें लेकर लंबी दूरी तय कर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचते हैं, जिससे उनके समय एवं धन की बर्बादी होती है, लोगों की इस समस्या को देखते हुये पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा कार्यालय मे पुलिस अधीक्षक हेल्प लाइन नंबर 7049124077 जारी किया गया है । उक्त नंबर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ उप निरीक्षक कुलदीप सगर के पास रहेगा, हेल्प डेस्क पर प्राप्त सभी शिकायतों का विधिवत रिकॉर्ड संधारित किया जावेगा एवं संबंधित थाना प्रभारी को उक्त शिकायत के समय सीमा मे निराकरण हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया जाएगा । जब भी पुलिस अधीक्षक शिवपुरी कहीं दौरे पर जाते हैं तो उक्त हेल्प डेस्क प्रभारी के द्वारा ही पुलिस अधीक्षक कार्यालय आने बाले लोगों की समस्याओं को सुना जावेगा, इन सभी शिकायतों मॉनिटरिंग स्वयं पुलिस अधीक्षक द्वारा की जाएगी, 7 दिन में शिकायत का निकाल ना होने की स्थिति में संबंधित अधिकारी/कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जावेगी, इसी प्रकार सीनियर सिटीजन की सहायता के लिये पुलिस कन्ट्रोल रुम शिवपुरी मे सीनियर सिटीजन हेल्पलाइन नंबर 7049123434 जारी किया गया है, उक्त सीनियर सिटीजन हेल्प लाइन नंबर पर जिले से सीनियर सिटीजन घर मे हो रही पारिवारिक समस्याओं एवं प्रताणना, परिवार वालों द्वारा घर मे न रखना आदि के खिलाफ अपनी शिकायत को दर्ज करा सकते हैं । पुलिस द्वारा सीनियर सिटीजन की पारिवारिक शिकायतों को काउंसलिंग अथवा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुये मदद पहुंचाई जाएगी । उक्त हेल्प लाइन नंबर 24*7 उपलब्ध रहेगा और इनका रिकॉर्ड भी संधारित किया जावेगा जिससे लोगों की समस्याओं को सुना जाकर समय सीमा मे निराकरण किया जाएगा

रिपोर्ट कार्ड देने के समय सौगात का ड्रामा कर रही है भूपेश सरकार: संदीप शर्मा

खुद तो कुछ नही किया भाजपा के विकास कार्यों पर रंग रोगन कर उद्घाटन करती है कांग्रेस सरकार : भाजपा

ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ अश्वनी अवस्थी राजिम। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का विधानसभाओं का दौरा सियासी ड्रामेबाजी से ज्यादा कुछ नहीं है। श्री शर्मा ने कहा कि अब जबकि चुनाव सिर पर है और रिपोर्ट कार्ड दिखाने का समय है, तब मुख्यमंत्री बघेल विधानसभाओं में जाकर सौगातों की ड्रामेबाजी कर रहे हैं।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा है कि हाल के महीनों में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के मद्देनजर की गई घोषणाओं, उन पर क्रियान्वयन की मौजूदा स्थिति और उन घोषणाओं के बजट प्रावधानों के संबंध श्वेत-पत्र जारी किया जाए ताकि प्रदेश की जनता वास्तविकता से अवगत हो सके। श्री शर्मा ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और सत्तावादी अहंकार से उपजी राजनीतिक अशिष्टता का परिचायक है कि मुख्यमंत्री बघेल जब-जब जनता के बीच जाते हैं, उनका कार्यक्रम डॉट-डपट में बदल जाता है। श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल की यह जवाबदेही है कि वे प्रदेश को यह बताएँ कि भेंट-मुला?ात के दौरान की गई घोषणाएँ क्या पूरी हुईं? उनमें करोड़ों रुपए की ऐसी घोषणाएँ हैं, जिनका बजट में तो प्रावधान तक नहीं है, और घोषणाओं के बारे में बजट में कोई चर्चा तक भी नहीं की गई है। मुख्यमंत्री बघेल को पहले भेंट-मुलाकात कार्यक्रमों और उस दौरान की

गई घोषणाओं पर एक श्वेत-पत्र जारी करना चाहिए, ताकि प्रदेश की जनता को यह सा?-साज समझ आ जाए कि पहले क्या हुआ और अब आगे क्या होने वाला है?भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव सामने आ रहा है, मुख्यमंत्री बघेल की झूठी घोषणाएं बढ़ती जा रही हैं। अभी विधानसभाओं में जाकर वे सौगात-सौगात का खेल, खेल रहे हैं। रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में किए गए शिलान्यास पर कटाक्ष कर श्री शर्मा ने कहा कि भूपेश सरकार ने अपने साढ़े 4 वर्षों के कार्यकाल में भाजपा शासन में किए गए कामों पर रंगरोगन कर उद्घाटन करने के अलावा और कोई काम नहीं किया है। श्री शर्मा ने सवाल किया कि अब चार-साढ़े चार महीने के शेष कार्यकाल में जो घोषणाएँ भूपेश सरकार कर रही है, तो उनका क्रियान्वयन कैसे और कब करेंगे? अब घोषणाएं करने के बजाय मुख्यमंत्री बघेल प्रदेश को यह बताएँ कि राजनीतिक लफ्फाजियों को छोड़कर साढ़े 4 सालों में उनकी सरकार ने क्या किया? श्री शर्मा ने कहा कि विकास के नाम पर एक ईंट तक नहीं रखने वाली और केन्द्र की योजनाओं में भ्रष्टाचार, घोटाला और प्रतिशोध की राजनीति करने वाली प्रदेश की कांग्रेस सरकार को तो अब अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करने का समय है और कांग्रेस सरकार की ड्रामेबाजी से प्रदेश की जनता झाँसे में आने वाली नहीं है। श्री शर्मा ने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार एकदम तय है और प्रदेश के मुख्यमंत्री बघेल अब जनता के साथ छल-कपट की राजनीति बंद करें।

जिस प्रकार से लोक कल्याण शिविर होते है,उसी तरह से जनसुनवाई शिविर हों :कलेक्टर अग्रवाल

विभाग पहले समस्या का निराकरण कर दे या सूचित करें

पुष्पांजलि टुडे

दमोह। जिला कार्यालय में आज एक अलग ही अंदाज में जन सुनवाई की गई। कलेक्टर मयंक अग्रवाल के साथ सीईओ जिला पंचायत, एडिशनल कलेक्टर और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों ने मौजूद रहकर आवेदकों के आवेदन लिए और उनको मौके पर निराकरण करने का प्रयास किया। इस व्यवस्था से आवेदकों को भी सहूलियत हुई आवेदकों ने खुशी जाहिर की है, आवेदकों की खुशी क्यों ना हो क्योंकि उनको सम्मान पूर्वक अधिकारियों द्वारा अपने सामने बैठा कर उनकी पूरी बात को सुना गया। इस अवसर पर कुछ आवेदनों का निराकरण किया गया। कलेक्टर अग्रवाल ने एक दिव्यांग को ट्राईसिकल वितरित की। कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने कहा कोशिश यह की जाये कि जिस प्रकार से लोक कल्याण शिविर होते है, उसी तरह से जनसुनवाई शिविर हों। विभाग पहले समस्या का निराकरण कर दे या सूचित कर दे। उससे यह फर्क प?ता है कि व्यक्ति हितग्राहियों को विभाग से सूचित हो जाता है और यदि वह संतुष्ट नहीं होता है तो फिर कलेक्टर या अपर कलेक्टर के पास जाता है,उन्होंने बताया आज से व्यवस्था बदली गई

है, कोशिश रहेगी की शाम तक आवेदक को सूचित कर दिया जाये और यदि कोई ऐसी शिकायत है जिसमे जांच होनी है उसमे एक हफ्ते का समय रहेगा। पात्रता वाली चीजों में कई लोग प्रधानमंत्री आवास आदि ऐसी-ऐसी चीजो के लिये परेशान रहता है और अलग-अलग ऑफिसो के चक्कर लगाता है तो उनको यही पर क्लीयर करवा दिया जायेगा।

आज जनसुनवाई में 110 आवेदन आये। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अजय श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर नाथूराम गौड़, एसडीएम सहित अन्य जिलाधिकारी मौजूद रहे।

हत्या के प्रकरण में 6 साल से फरार 15000 का ईनामी हथियार सहित गिरफ्तार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा जिले में फरार चले रहे आरोपियों की धर पकड़ की कार्यवाही हेतु निर्देश दिये गये थे, निर्देश के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के मार्गदर्शन में निरीक्षक उदयभान सिंह यादव थाना प्रभारी मौ, उनि सतेन्द्र सिंह कुशवाह थाना प्रभारी थाना पावई व उनकी टीम द्वारा थाना देहात जिला भिण्ड के अपराध क्रमांक 605/2017 धारा 302,341,294, 147, 148, 149 भादवि में 6 साल से फरार चल रहे 15000 के ईनामी बदमाश रामानन्द शर्मा निवासी ग्राम बिरंगवा को थाना पावई को अपराध में प्रयुक्त लाईसेंसी रायफल के साथ पकड़ा।

दिनांक 17.04.23 को थाना प्रभारी मौ निरीक्षक उदयभान सिंह यादव को सूचना मिली कि थाना देहात के अपराध

क्रमांक 605/2017 धारा 302, 341, 294, 147, 148, 149 भादवि में 6 साल से फरार चल रहे 15000 के ईनामी बदमाश रामानन्द शर्मा निवासी ग्राम बिरंगवा थाना पावई का ग्वालियर में रह रहा है, जिस पर थाना पावई पुलिस द्वारा फरार आरोपी के संबंध में जानकारी प्राप्त कर एक टीम बनाकर ग्वालियर में आरोपी के छिपे स्थान पर दविश देकर पकड़ा व घटना में प्रयुक्त हथियार भी बरामद किया व आरोपी को अभिरक्षा में लेकर भिण्ड आये व अग्रिम कार्यवाही हेतु देहात पुलिस को सूचित किया।आरोपी का नाम व पता रामानन्द शर्मा पुत्र तेजाराम शर्मा निवासी ग्राम बिरंगवा थाना पावई जिला भिण्डआरोपी से एक लायसेंसी रायफल 315 बोर बरामद की गई।सराहनीय भूमिका मौ थाना प्रभारी निरीक्षक उदयभान सिंह यादव, उपनिरीक्षक सतेन्द्र सिंह कुशवाह थाना प्रभारी थाना पावई, आरक्षक अनिल तोमर,आरक्षक परसुराम रावत,आरक्षक वासुदेव,आरक्षक रवि कुमार, आरक्षक चालक सतीश शर्मा थाना पावई की सराहनीय भूमिका रही।

दतिया पेट्रोल पंप पर लूट की योजना बना रहे हथियारों से लैस दो बदमाशों को जिगना पुलिस ने किया गिरफ्तार

संदीप प्रधान उप संपादक दैनिक पुष्पांजलि टुडे

पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर से आरोपी छोटू उर्फ दीपक परिहार, रोहित परिहार को पेट्रोल पंप के पीछे बनी पहाड़ी की आड़ में छिपे हुए पेट्रोल पंप को लूटने की योजना बनाते हुए, पुलिस ने घेरा बंदी कर दो आरोपी को तो पकड़ लिया वही अंधेरे का फायदा उठाड़ते हुए 3 बदमाश मौके से भाग निकले, पकड़े गए आरोपियों से पुलिस ने जब पूछताछ की तो 2 दिन पूर्व पकड़े गए बदमाशों ने कामता प्रसाद दुबे ग्राम उदुवां में चोरी की वारदात करना भी कबूल किया है। उक्त मामले की जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम में एसपी प्रदीप शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों को दी इस दौरान बडौनी एसडीओपी दीपक नायक सहित पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ये सामान किये जब्त।पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने चोरी की गई, दो पीतल की ÷कसेडिया÷, एक पीतल के लड्डू ÷गोपाल÷ की मूर्ति, तांबे का ÷लोटा÷, 315 बोर की सिंगल शॉट हाथ की बनी ÷रायफल÷ , तीन जिंदा ÷राउंड÷ ,एक लोहे का छोटा ÷सब्बल÷ जब्त किया है।इनकी रही अहम भूमिका।जिगना थाना प्रभारी भास्कर शर्मा, सउनि,महेश श्रीवास्तव, संतोष सगर, संजीव कुमार दिलीप प्रधान (626)विवेक शर्मा,संजय सिंह सहित जिगना पुलिस की अहम भूमिका रही।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया से घबराई हुई है कांग्रेस :सरोज जोशी

भाजपा नेत्री ने नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह की संपत्ति की जांच की मांग की

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य व दतिया जिला प्रभारी सरोज जोशी ने प्रेस नोट जारी कर कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि जिस तरीके से मध्यप्रदेश में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की ताबड़तोड़ सभाएं हो रही हैं, इससे कांग्रेस के नेताओं का मानसिक संतुलन खराब हो गया है। डॉ अंबेडकर की जयंती के दिन लहार से विधायक पूर्व सहकारिता मंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह ने बाबा साहेब अबेडकर की जयंती के दिन एक सभा में कहां है की केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के परिजन नें कनावर में मजरा नदोरी गांव के 11 भदौरियाओ को एक लाइन में खड़े होकर मार दिया था इसकी मैं कड़े शब्दों में नेता प्रतिपक्ष की निंदा करती हूं और उनसे कहना चाहती हूं कि आप जनता को भ्रमित करना बंद करें, और खुद की गिरेबान में झांक कर देखे कीड़ जब आप , राजनीति नहीं करते थे तब आपके परिवार की क्या स्थिति थी साइकिल पर झोला टांग कर गांव गांव जाकर लोगों का इलाज किया करते थे जिससे आपके परिवार का भरण पोषण होता था और आज की स्थिति में आप पर इतनी संपत्ति है,कि जिसका हम अनुमान भी नहीं लगा सकते हैं एक झोलाछाप डॉक्टर इतने पैसे वाला कैसे बन गया यह किसी से छुपा नहीं है और आपने जिस परिवार पर उगली उठाई है वह एक राजघराना है जब राजाशाही चलती थी तब श्रीमंत महाराज के पूर्वज दरबार लगाकर गरीब बेसहारा मजदूरों दीन दुखियों की मदद किया करते थे आप श्रीमंत महाराज सिंधिया के परिवार पर क्यों अनर्गल बातें कर रहे हो यह पूरे मध्यप्रदेश की जनता से छुपा नहीं है क्योंकि श्रीमंत महाराज की वजह से ही आपसे सहकारिता मंत्री का पद छिन गया है, भाजपा नेत्री ने कहा कि मैंने सोशल मीडिया के माध्यम से लहार के विधायक नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह का वायरल वीडियो बहुत गौर से सुना है मैं डॉ गोविंद सिंह से कहना चाहती हूं कि आपने सिंधिया परिवार पर ही उंगली नहीं उठाई है आपने अटेर विधानसभा के ग्राम कनाबर के भदोरियाओ

का भी अपमान किया है क्योंकि आप जिस गाव का जिक्र वीडियो मैं कर रहे हो मै उसी गांव में पैदा हुई हूं जिस गांव का आपने नाम लेते हुए कहां है कि नदोरी के 11 भदौरियाओ को सिंधिया परिवार ने एक लाइन में खड़ा कर मार दिया था तो मैं इनसे पूछना चाहती हूं के जिन 11 लोगों का आपने वीडियो के माध्यम से सभा में जिक्र किया है वह किस परिवार के थे और उनके पूर्वजों के क्या नाम थे वह आप स्पष्ट करें क्योंकि मैंने अपने गांव में कुछ बुजुर्गों से बातचीत कर आपके वायरल हो रहे वीडियो के बारे में बताया तो हमारे गांव के बुजुर्गों ने कहा कि डॉक्टर गोविंद सिंह निराधार झूठ बोल रहे हैं नदोरी गांव में कभी भी ऐसी कोई घटना नहीं घटी है,श्रीमती जोशी ने कहा कि मैं डॉक्टर गोविंद सिंह से कहना चाहती हूं आपने सिंधिया परिवार के बारे में झूठ ही झूठ नहीं बोला बल्कि मध्य प्रदेश की आधी आबादी नारी शक्ति का भी अपमान किया है आप यहीं नहीं रुके आपने अभी हाल ही में भारतीय जनता पार्टी के प्रधानमंत्री भाई नरेंद्र मोदी ने जो भोपाल मैं हबीबगंज स्टेशन का नाम बदल कर नाम बदलकर रानी कमलापति रख दिया है, इससे भी आपके पेट में बहुत दर्द हो रहा है अगर उस समय जब अंग्रेज हम सब हमसब पर हुकूमत करते थे तब हमारी बहन बेटियों ने अच्छा काम किया, फिर वह चाहे कोई महारानी हो या अन्य हमारी कोई बहन जिसने संघर्ष किया है ,तो उनके नाम पर अगर रेलवे स्टेशन का नाम रख दिया गया , हो तो इसमें कांग्रेस को क्यों बुरा लग रहा है, जो काम कांग्रेस, 70 साल में नहीं कर पाई वह भारतीय जनता पार्टी ने करके दिखा दिया हैं नेता प्रतिपक्ष के इस तरीके के भाषण से यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस की मानसिकता महिलाओं के प्रति अच्छी नहीं है कांग्रेस मध्यप्रदेश में महिलाओं को आत्मनिर्भर होते हुए नहीं देखना चाहती है,आज हमारी भाजपा की उपलब्धियां देखकर और महिलाओं को सम्मान एवं सुरक्षा देकर भारत की बहनों का सम्मान बढ़ाया है इससे कांग्रेस मे खलबली मची हुई है, कांग्रेस को अपना भविष्य गर्दिश में दिखाई दे रहा है मैं कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह से कहना चाहती हूं आपने नारी जाति का अपमान करके अच्छा नहीं किया है इसका बदला आने वाले समय 2023 मे मध्य प्रदेश की नारी शक्ति आपसे जरूर लेगी और नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह की बेनाम संपत्ति की जांच होनी चाहिए कि इनके बाबा और दादा के नाम से बेसपुरा, लहार में कितनी चल अचल संपत्ति थी और आज डॉ गोविंद सिंह के पास कितनी लहार-ग्वालियर-भिण्ड में चल अचल संपत्ति है ।

रेहगुन में हुआ महिला मंडल का तहसील स्तरीय महिला सम्मेलन

पुष्पाजंली टुडे

बड़वानी ÷जिले के ग्राम रेहगुन में महिला मंडल के तहसील स्तरीय महिला सम्मेलन का आयोजन सोमवार को किया गया। जिसमें बड़वानी तहसील के करीब 9 ग्रामों की 300 महिलाएं शामिल थी। कार्यक्रम का उद्देश्य माता की बीज के दिन मंदिर क्यों जाना चाहिए, साथ ही प्रतिदिन कम से कम 1 रूपए की बचत करनी चाहिए को लेकर विस्तृत चर्चा कर रूपरेखा तैयार की। महिला सशक्तिकरण ने अपने विचार सांझा किए व शिक्षा सहायता कोष, आगामी माह में राजगढ़ में होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन व तृतीय आईजी संग्रह पुस्तक प्रकाशन, लाड़ली बहना योजना की जानकारी दी। मुख्य वक्ता के रूप में कविता लछेटा उपस्थित थे। इस दौरान प्रत्येक ग्राम की वरिष्ठ महिला मातृशक्ति का पुष्पमाला से स्वागत किया। प्रांतीय महिला अध्यक्ष अनिता चोयल, जिला महिला अध्यक्ष कविता चौधरी, तहसील महिला अध्यक्ष माया मुकाती, जिलाध्यक्ष दिनेश चौधरी, महासचिव गोविंद भायल एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम में तहसील अध्यक्ष घमंडी राठौर, तहसील महासचिव दिनेश काग, कैलाश भायल, ओमप्रकाश सिर्वी इंटरनेशनल स्कूल करी, सकल पंच, युवा संगठन, ग्राम रेहगुन का योगदान रहा। संचालन सुनीता काग ने किया। अखिल भारतीय सिर्वी महासभा महिला मंडल की मातृशक्ति की और से रेहगुन महिला मंडल ने आभार व्यक्त किया ।

जैतारण में सीरवी समाज महाअधिवेशन में आगामी विधानसभा सुनावों पर हुई चर्चा

पुष्पाजंली टुडे /नारायणलाल सैणचा

पाली।जैतारण सीरवी समाज ने प्रांतीय महासभा के बैनर तले राजनीतिक सम्मेलन के आयोजन को लेकर पृथ्वीपुरा स्थित बडेर में बैठक का आयोजन किया। जिसमें बिलाड़ा, सोजत, जैतारण, मारवाड़ जंक्शन, सुमेरपुर, पाली विधानसभा क्षेत्रों में निवास करने वाले सीरवी समाज के समाज बंधुओं ने भाग लिया। अखिल भारतीय सीरवी समाज के प्रदेशाध्यक्ष धनाराम लालावत ने बताया, सोजत एवं बिलाड़ा विधानसभा अभी रिजर्व हैं।वही बिलाड़ा एवं सोजत विधानसभा में सीरवी मतदाताओं का हमेशा रुख रहता है एवं जीत दर्ज करवाने में अहम भागीदारी रहती है। महा सम्मेलन में सुमेरपुर, मारवाड़ जंक्शन एवं जैतारण विधानसभा में सीरवी कैंडिडेट उतारने की वकालत सीरवी महासभा ने करते हुए कहा, जो पार्टी सीरवी समाज को ज्यादा से ज्यादा टिकट देगी संपूर्ण समाज उसी पार्टी का समर्थन करेगा।इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय सीरवी महासभा के राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष धनाराम लालावत, महासचिव भंवरलाल सेणचा तमिलनाडु महासभा सचिव वीरेंद्र पंवार, कर्नाटका सीरवी महासभा के अध्यक्ष वीरमराम सोलंकी ,परगना अध्यक्ष हणुतराम बर्फा, सोजत परगना अध्यक्ष एवं पूर्व उपजिला प्रमुख भीकाराम चौधरी, पर्व ब्लॉक कांग्रेस सोजत अध्यक्ष रतनलाल फौजी, पूर्व उपजिला प्रमुख गुणाराम सोलंकी, प्रदेश कांग्रेस सचिव भूराराम सीरवी सुमेरपुर, अखिल भारतीय सीरवी युवा परिषद के अध्यक्ष सुरेश चौधरी, उपाध्यक्ष देवीसिंह भीवराज, महासचिव एवं पंस सदस्य बाबूलाल बर्फा पृथ्वीपुरा सेवादल कांग्रेस पाली जिलाध्यक्ष प्रकाश सोलंकी, सीरवी ए नवयुवक मंडल रायपुर अध्यक्ष मोहन काग, नगरपालिका बिलाड़ा अध्यक्ष रूपसिंह परिहार, पूर्व अध्यक्ष मनोहर सिंह हांबड़, प्रतिपक्ष नेता लक्ष्मण लखावत, पिचियाक सरपंच माधुराम हांबड़, भावी सरपंच सुराराम गहलोत, बिलावास सरपंच डिंपल सीरवी, सुरायता सरपंच अमर सीरवी, पंस सदस्य हरीश सीरवी, गीता देवी, गौरी देवी, बगड़ी सरपंच भंडाराम सीरवी, पूर्व सरपंच भोमाराम सेणचा, कालूराम कागखेडा मामावास, अशोक सेपटा, मोहनलाल आगलेचा, बाबूलाल आगलेचा, धर्माराम राठौड, लिखमाराम सोलंकी, शंकर काग, दुर्गाराम बर्फा, रमेश करणवा, धन्नाराम बिलाड़ा, लक्मनराम बुटीवास, लक्मन सानपुरा, कमलेश सेणचा सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु मौजूद रहे।

मुनि रश्मि कुमार ने दिया धर्मसभा संदेश..

मैसूरु.मुनि रश्मि कुमार तथा मुनि प्रियांशु कुमार ने बनूर में धर्मसभा में कहा कि जिसमें हिंसा कम से कम हो और अहिंसा का अधिकतम परिपालन हो,ऐसी संयमित जीवनशैली संसार के लिए वरदान है द्य जिसमें दूसरों के हित-अहित का चिंतन है द्य मुनि ने आपसी सहयोग व भाईचारा की प्रेरणा देते हुए आगे बताया कि परस्पर एक-दूसरे की भावनाओं को ध्यान में रखकर जीवनयापन हो द्य हर जीव के अस्तित्व का चिंतन हमारी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिये द्य अगर हम दूसरों के हितों की चिंता नहीं करते हैं तो मनुष्य के रूप में हमारे जीवन का कोई तात्पर्य सिद्ध नहीं होता हैं द्य आज गरीबी,भूखमरी, बेरोजगारी,हिंसा,अन्याय, अत्याचार,जातिवाद,वर्णवाद और जो भेदभाव हैं,उन सबके मूल में स्वार्थपूर्ण जीवनशैली है द्य अपने धर्म को समझे बिना सुख-शांति की स्थापना नहीं होगी द्य मुनि ने पर्यावरण संरक्षण पर चिंता जताते हुए कहा कि आज चारों तरफ जंगल काटे जा रहे हैं द्य पशु-पक्षियों को बेसुमार मारा जा रहा है द्य अत्यधिक मात्रा में पृथ्वी का दोहन हो चुका है द्य सब अपना घर भरना चाहते हैं,किसी को भी जीव-जंतुओं की परवाह नहीं है द्य दूसरों के सुख-दुःख की चिंता नहीं है द्य फिर संसार में सुख-शांति के साम्राज्य की स्थापना नामुमकिन है द्य इस अवसर पर पर्यावरण जागृति वैदिके के अध्यक्ष व समाजसेवी महेन्द्र सिंह राजपुरोहित,ललित जैन,गोविंद पारीक, लक्ष्मणराम सीरवी,राजेश सिंह, लादूलाल जैन,बाबूराम सोलंकी, सोहनलाल सीरवी, प्रकाश सीरवी,माणकचंद काग, अशोक भाटी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे द्य मुनिजन मंड्या की ओर विहाररत है द्य आज बनूर से 9 किलोमीटर पदयात्रा कर याचनाहल्ली पहुंचे

रमजान के पवित्र महीने के अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष ने रोजेदारों को दी इफ्तार पार्टी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । इस अवसर पर बोलते हुए शहर कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. राधेश्याम शर्मा ने कहा की रमजान का महीना पवित्र महीना है,ईश्वर की इबादत करने पर विशेष फल प्रदान होता है। कांग्रेस पार्टी सदैव भाईचारे का संदेश देती है और सभी धर्म के लोगों को साथ लेकर चलती है।इस अवसर पर रोजेदारों ने सबसे पहले खुदा से अमनचैन के लिए दुआ मांगी इस तरह इफ्तार पार्टी से भाईचारा बढ़ता है इस माह को नेकियों और इबादतों का महीना यानी पुण्य और उपासना का माह माना जाता है रोजा इफ्तार पार्टी में मुस्लिम समाज के बच्चे नौजवान और बुजुर्गों ने शिरकत की उपवास के दिन सूर्योदय से पहले कुछ खालेते हैं, जिसे सहरी कहते हैं। दिन भर न कुछ खाते हैं न पीते हैं। शाम को सूर्यास्त के बाद रोज़ा खोल कर खाते हैं जिसे इफ़्तारी कहते हैं इरफान का?ी ने नमाज अदा करवाई।रोजा इफ्तार पार्टी में प्रमुख रूप से खिजर मोहम्मद कुरेशी,फुरकान का?ी ,नईम पठान ,इरशाद अहमद, काजी रिजवान ,मोहम्मद इरफान, अलीम पठान ,असलम खान, मूवीन खान, कासिम खान, रईस खान, पूर्व विधायक हेमंत कटारे ,रामप्रकाश यादव ,बाबा भगवानदास सेतिया, कल्पना मिश्रा, राम हर्ष सिंह कुशवाह, संतोष त्रिपाठी ,रेखा भदौरिया, अशोक जैन ,संदीप मिश्रा, डॉ अरविंद शर्मा ,सौम्या शर्मा ,रीना चौहान ,कृष्णा कुशवाहा,रामअवतार भदौरिया, प्रमोद दीक्षित ,पीसी अजय जैन, मनोज दैपुरिया, अरविंद बघेल, विजय दैपुरिया, बृजेंद्र सिंह कल्लू, संजय यादव, कमलेश जाटव, संजय भूता, थान सिंह यादव, विनोद जाटव, सतपाल अगरिया ,मनीष शर्मा, छोटे नरवरिया, पिंटू शर्मा ,हिम्मत सिंह, मनोज जैन मामा ,बृजेश जैन ,वीर प्रकाश श्रीवास्तव, रामरतन यादव, आदि लोग उपस्थित रहे।

नारी शक्ति एक नई पहल संस्था बनी पीड़िताओं की मददगार

650 दुष्कर्म पीड़िताओं सहित 2400 से अधिक महिलाओं को दिलाया न्याय

पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भोपाल/इंदौर । आप आए दिन दुष्कर्म, मारपीट, घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना सहित महिला संबंधी कई अपराधों की खबरें देखते और पढ़ते हैं। इन मामलों में कई मामले ऐसे भी होते हैं, जिनमें महिलाएं आर्थिक समस्याओं या फिर अन्य कारणों से आगे नहीं आ पाती हैं। ऐसी महिलाओं के लिए नारी शक्ति एक नई पहल संस्था हाथ बढ़ाती है और उन्हे न्याय दिलाने में मदद करती है। संस्था की संस्थापक और सर्वोच्च न्यायालय की अधिवक्ता डॉ. नुपुर धमीजा द्वारा अब तक करीब 650 से अधिक नाबालिग दुष्कर्म पीड़िताओं सहित 2400 से अधिक महिलाओं को न्याय दिलाया गया है। इसमें मध्यप्रदेश की लगभग 300 पीड़िताएं शामिल हैं। वहीं सैंकड़ो मामलों में अधिवक्ता नुपुर धमीजा और उनकी टीम महिलाओं की मदद करने में जुटी हुई है। नाबालिग दुष्कर्म पीड़िताओं को न्याय दिलाने को लेकर संस्था का नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड लंदन में दर्ज होने के साथ ही गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड, लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड सहित कई अवार्ड भी मिल चुके हैं।

कोरोना संक्रमण काल में हुई शुरूआत - महिलाओं पर होने वाले अत्याचार के विरुद्ध खड़ी होने वाली नारी शक्ति एक नई पहल संस्था की शुरूआत अधिवक्ता डॉ. नूपुर धमीजा द्वारा कोरोना संक्रमण काल के दौरान अप्रेल 2020 में की गई। अधिवक्ता डॉ. नूपुर धमीजा ने बताया

कि वह लगभग 8 सालों से मध्यप्रदेश में निवासरत हैं। मूलत÷वह गुडड़ांव की रहनी वाली हैं। कोविड - 19 के दौरान यह अहसास हुआ कि महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए एक संस्था होना चाहिए। जिसके बाद नारी शक्ति एक नई पहल संस्था की मध्यप्रदेश से शुरूआत की।

लीगल और मीडिया टीम सहित 2 लाख से अधिक सदस्य है।

लीगल और मीडिया टीम को संस्था में प्रमुख रूप से शामिल किया गया है। साथ ही साथ जागरूक नागरिकों को भी जोड़ा गया है। नारी शक्ति एक नई पहल संस्था परिवार में देशभर में दो लाख से अधिक सदस्य हैं। संस्था द्वारा हेल्पलाइन नंबर 8827666866 भी जारी किया गया है, जहां संपर्क किया जा सकता है। इस हेल्पलाइन पर रोजाना हेल्प के लिए कई कॉल आते हैं।

यह मामले सुर्खियों में रहे

दुष्कर्म पीड़िता की सुरक्षा के लिए 8 दिन **अस्पताल में रहीं**-नारी शक्ति एक नई पहल संस्था का सबसे पहला केस जबलपुर के पास एक गांव का आया, जिसमें तीन साल की बच्ची को अपहरण करके उसके साथ दुष्कर्म किया गया और उसकी दोनों आंखे निकाल कर उसे फेक दिया गया। इस गंभीर स्थिति में संस्थापक द्वारा इस बच्ची को नया जीवन दिया गया। कोरोना काल में 8 दिनों तक जबलपुर जिला चिकित्सालय मेडिकल में रह कर उस बच्ची की देखभाल और उसकी सुरक्षा की गई। वहीं आरोपी को फाँसी की सजा दिलाई गई। इसी तरह इंदौर में एक महिला के साथ दुष्कर्म के मामले में उसे पर्सनल पार्ट्स को काट कर थेली में फेंक दिया गया, उसकी नाक तक काट दी गई और उसे मृत घोषित कर दिया गया। संस्था की टीम द्वारा महिला का इलाज कराया गया और आरोपियों को गिरफ्तार कराया।

बेटियों को दे रही आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

विगत 3 वर्षों से नारी शक्ति एक नई पहल संस्था महिला अपराध, महिलाओं की आत्मसुरक्षा और विक्षिप्तों पर कार्य कर रही है। संस्था के सक्रिय कार्यकताओं द्वारा शासकीय-अशासकीय स्कूलों, कॉलेजों, ग्रामीण क्षेत्रों में जा कर आत्मसुरक्षा पर लगातार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही संस्था सोशल मीडिया पर 6 लीगल प्लेटफार्म भी संचालित कर रही है, जिनसें लाखों लोग जुड़े हुए हैं।

भ्रष्टाचार पर जुबानी जमाखर्च!

अजीत द्विवेदीभारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस फाइल्स' नाम से दो एपिसोड की एक सीरिज बनाई है, जिसमें कांग्रेस के भ्रष्टाचार के बारे में बताया गया है। यह सीरिज देखते हुए जो बात सबसे पहले दिमाग मे आई वह ये है कि इस देश में राजनीति और गवर्नेंस दोनों की अवधारणा सिर के बल खड़ी हो गई है यानी उलटी हो गई है। आमतौर पर सरकार के ऊपर विपक्षी पार्टियां भ्रष्टाचार के आरोप लगाती हैं और जांच की मांग करती हैं। यहां उलटा हो रहा है। अब सरकार ही विपक्ष के ऊपर आरोप लगा रही है और पता नहीं क्यों जांच नहीं करा रही है, जबकि सारी एजेंसियां उसके पास हैं और एजेंसियां कहीं न कहीं जांच भी कर रही हैं। सवाल है कि इस उलटबांसी का क्या मतलब है? और उससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या आम आदमी को सरकार की ओर से विपक्ष पर लगाए गए आरोपों पर भरोसा करना चाहिए?भाजपा की ओर से बनाई गई कांग्रेस फाइल्स' की पहली कड़ी में चार लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले के बारे में बताया गया है। इसमें एक लाख 76 हजार करोड़ रुपए का संचार घोटाला शामिल है और कई लाख करोड़ रुपए का कोयला घोटाला भी शामिल है। इन दो घोटालों की ही रकम चार लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो जाती है। मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल में यानी 2009 से 2014 के बीच हुई इन दो कथित घोटालों की बड़ी चर्चा हुई थी। इनके खिलाफ इंडिया अगेंस्ट करप्शन' का जन्म हुआ था और अन्ना हजारे और अरविंद केजरीवाल का आंदोलन हुआ था। कांग्रेस के बुरी तरह से हार कर सत्ता से बाहर होने और नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने का सबसे बड़ा कारण ये दो घोटाले बने थे। इन दो के अलावा उस समय भाजपा ने आकाश से लेकर पाताल तक और धरती से

लेकर हवा और अंतरिक्ष तक में घोटाले बताए थे।बहरहाल, जब नरेंद्र मोदी 2014 में प्रधानमंत्री बने तो क्या सबसे पहले यह नहीं होना चाहिए था कि वे दो सबसे बड़े घोटालों- संचार और कोयला, की जांच कराते और दोषियों को सजा दिलाते? क्या किसी को पता है कि इन दोनों मामलों में क्या हुआ है? जो लोग कांग्रेस फाइल्स' के वीडियो शेयर कर रहे हैं उनको भी पता नहीं होगा कि संचार और कोयला घोटाले में क्या हुआ है। हकीकत यह है कि संचार घोटाले के तमाम आरोपी निचली अदालत से बरी हो गए हैं। सीबीआई ने हाई कोर्ट में इस फैसले के खिलाफ अपील की है लेकिन ए राजा से लेकर कनिमोझी तक सब न सिर्फ जेल से बाहर हैं, बल्कि सांसद भी हैं। ए राजा तो लोकसभा में पीठासीन पदाधिकारियों के पैनल में भी हैं और सदन का संचालन भी करते हैं। इसी तरह कोयला घोटाले में कोई भी राजनेता जेल में नहीं है। तत्कालीन कोयला सचिव एचसी गुप्ता को छोड़ कर किसी को सजा नहीं हुई है। अगर किसी की स्मृति अच्छी हो तो याद कर सकता है कि कैसे 1989 के लोकसभा चुनाव में वीपी सिंह नाटकीय अंदाज में कागज का एक पुर्जा निकालते थे और सभाओं में लोगों को दिखा कर कहते थे कि इस पर उन लोगों के नाम हैं, जिनको बोफोर्स में रिश्वत मिली है और उनके खाते का नंबर है। सरकार बनते ही घोटालेबाज जेल में होंगे और पैसे उनके खाते से निकाले जाएंगे। वीपी सिंह तो प्रधानमंत्री हो गए लेकिन दोषी और उनके खातों का पता लगाने में एजेंसियों को 20 साल लग गए। वही कहानी संचार और कोयला घोटाले में दोहराई जा रही है।इसी तरह कांग्रेस फाइल्स' की दूसरी कड़ी में सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के कथित घोटाले का जिक्र है। इसमें कहा गया है कि कैसे एक पेंटिंग जबरदस्ती एक कारोबारी को दो करोड़ रुपए में बेची गई और उस पैसे का इस्तेमाल सोनिया गांधी के इलाज में किया गया। एक अलग घटनाक्रम में यस बैंक के पूर्व चेयरमैन राणा कपूर ने कहा था कि उनको पेंटिंग खरीदने के लिए मजबूर किया गया था। ध्यान रहे पेंटिंग एमएफ हुसैन की है और उसकी दो करोड़ रुपए कीमत कोई ज्यादा नहीं है। इसके बावजूद अगर इसमें कोई आपराधिकता है या क्विड प्रो को' है यानी पेंटिंग खरीदने के बदले में राणा कपूर को कोई मदद पहुंचाई गई थी तो उसकी जांच करके सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को सजा क्यों नहीं दी जा रही है? हकीकत यह है कि इस मामले में अभी तक कोई एफआईआर भी दर्ज नहीं है।ऐसा नही है कि इतने ही मामले हैं, जिनमें सरकार की ओर से आरोप लगाए गए हैं और न कोई सबूत पेश किया गया है और न कोई कार्रवाई हुई है। ऐसे अनगिनत मामले हैं। जैसे फरवरी के महीने में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मेघालय में प्रचार करते हुए कहा कि कोनरेड संगमा की सरकार देश की सबसे भ्रष्ट सरकार है। अगर केंद्र सरकार का नंबर दो मंत्री यह बात कह रहा है तो उसके पास जरूर कोई सबूत होंगे। लेकिन उन सबूतों के आधार पर कोनरेड संगमा के खिलाफ मुकदमा करने और उन पर कार्रवाई करने की बजाय दो मार्च को आए नतीजों के बाद भाजपा ने उनके साथ फिर सरकार बना ली। इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्नाटक में चुनाव प्रचार करने गए तो उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार कांग्रेस के लिए हमेशा एटीएम की तरह रही है। उन्होंने पहले भी कर्नाटक से दिल्ली पैसा भेजे जाने का आरोप लगाया था। तो क्या ऐसा नहीं होना चाहिए कि केंद्र सरकार की एजेंसियां उस एटीएम का पता लगातीं, दिल्ली पैसा भेजे जाने की छानबीन करतीं और दोषी नेताओं पर कार्रवाई करतीं? लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ।तभी सवाल है कि ऐसे आरोपों का क्या मतलब है? भ्रष्टाचार पर इस तरह की जुबानी जमाखर्च से क्या हासिल होगा? अगर इतने बड़े घोटाले करने वालों पर कार्रवाई नहीं होगी तो क्या उससे भ्रष्टाचारियों के हौसले नहीं बढ़ेंगे? कायदे से सरकार को आरोप लगाने की बजाय कार्रवाई करनी चाहिए। संचार घोटाला, कोयला घोटाला, आदर्श घोटाला, कॉमनवेल्थ घोटाला, देवास घोटाला से लेकर कोनरेड संगमा और कर्नाटक कांग्रेस के कथित घोटाले की पूरी सख्ती से जांच करानी चाहिए और दोषियों को सजा दिलानी चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो यही माना जाएगा कि भाजपा और उसके शीर्ष नेताओं के लिए भ्रष्टाचार से लडना कोई प्रतिबद्धता का मामला नहीं है, बल्कि चुनावी राजनीति का मामला है। वह सिर्फ जुबानी जमाखर्च करके कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों को बदनाम करती है और वोट लेती है। इसका यह भी मतलब होगा कि या तो घोटाला नहीं हुआ है और अगर हुआ है तो असली दोषियों को सजा दिलाने की भाजपा की मंशा नहीं है।

संपादकीय

रूसी तेल का कारोबार

रूस अब भारत को सबसे ज्यादा कच्चे तेल की आपूर्ति करने वाला देश बना गया है। अब तक इराक से भारत सबसे ज्यादा कच्चा तेल आयात करता था लेकिन मार्च में रूस से भारत का आयात इराक के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा हुआ।यूक्रेन पर हमला करने के बाद रूस अंतरराष्ट्रीय पाबंदियों का शिकार बना है और एक समय ऐसा लग रहा था जैसे उसकी पूरी अर्थव्यवस्था बिखर जाएगी। लेकिन उसके कच्चे तेल ने उसके बचा लिया है और दुनिया के दूसरे कई देशों की अर्थव्यवस्था भी बचा ली है। असल में कारोबार की यही खूबी होती है उसमें तमाम राजनीतिक सीमाएं मिट जाती हैं। सोचें, रूस के ऊपर अमेरिका और यूरोप में बड़ी बड़ी पाबंदियां लगा रखी हैं और उन पाबंदियों की वजह से रूस उनको कच्चा तेल नहीं बेच सकता है लेकिन वह भारत को कच्चा तेल बेच सकता है, जिसे रिफाइन करके भारतीय कंपनियां अमेरिका और यूरोप के देशों को बेच सकती हैं। गुड़ खाकर गुलगुले से परहेज की यह नीति सबको रास आ रही है। भारत को तेल की कीमत स्थिर बनाए रखने में इससे मदद मिल रही है तो अमेरिका और यूरोप को भी तेल व गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है और साथ ही रूस की आक्रामकता का विरोध करने की नीति भी जारी है।सबके फायदे वाली इस नीति का असर यह हुआ है कि रूस अब भारत को सबसे ज्यादा कच्चे तेल की आपूर्ति करने वाला देश बना गया है। अब तक इराक से भारत सबसे ज्यादा कच्चा तेल आयात करता था लेकिन पिछले महीने यानी मार्च में रूस से भारत का आयात इराक के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा हो गया। भारत ने रूस से मार्च में 16.4 लाख बैरल तेल आयात किया, जबकि मार्च में इराक से भारत का तेल आयात 8.1 लाख बैरल रहा। भारत को कच्चे तेल के आयात में इराक अब तीसरे स्थान पर चला गया है। दूसरे स्थान पर सऊदी अरब है, जिससे भारत ने पिछले महीने 9.86 लाख बैरल तेल आयात किया है। अमेरिका से भी भारत का कच्चे तेल का आयात कम हुआ है, जबकि अमेरिका को रिफाइन तेल के निर्यात में अच्छी खासी बढ़ोतरी हुई है।दुनिया के देशों ने अपनी जरूरत के लिए भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने और रिफाइन करके बेचने की अनुमति दी है। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में भारत हमलावर रूस के साथ खड़ा दिख रहा है। इससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच भारत की छवि पर भी निश्चित रूप से असर हुआ है। दूसरे, रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदने का भारत के आम लोगों को कोई फायदा नहीं मिल रहा है। पिछले साल फरवरी में रूस से कच्चे तेल का आयात एक फीसदी से भी कम था, जो अब 34 फीसदी हो गया है लेकिन इस अवधि में भारत में तेल की कीमतों में कोई कमी नहीं आई है।

यूपीए रहेगा या कोई नया मोर्चा बनेगा?

विपक्षी पार्टियां अगर लोकसभा चुनाव के लिए एकजुट होती हैं तो वह एकजुटता किस बैनर के तले होगी? कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए में ही सभी पार्टियां शामिल होंगी या लोकसभा चुनाव के लिए कोई अलग मोर्चा बनेगा? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि कई पार्टियों को कांग्रेस के साथ यूपीए में शामिल होने में आपत्ति है। इतना ही नहीं कई ऐसी पार्टियां हैं, जो अब भी कांग्रेस के साथ गठबंधन में हैं लेकिन उस गठबंध को यूपीए नहीं कहा जाता है। इसलिए कुछ क्षेत्रीय नेता संयुक्त मोर्चा या राष्ट्रीय मोर्चा की तर्ज पर अलग मोर्चा बनाने की बात कर रहे हैं, जिसमें कांग्रेस भी एक घटक दल हो।अभी जो यूपीए है वह 2004 के लोकसभा चुनाव के समय बना था और उसकी कमान तभी से कांग्रेस के हाथ में है। इसमें कांग्रेस के पुराने सहयोगी घटक दल के रूप में शामिल हैं। लेकिन कई राज्यों में इससे अलग मोर्चा भी बना है। जैसे बिहार में लालू प्रसाद की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल यूपीए का घटक दल है, लेकिन नीतीश कुमार की पार्टी जदयू यूपीए में शामिल नहीं है। इसलिए बिहार में सरकार बनाने के लिए जो गठबंधन बना उसे महागठबंधन का नाम दिया गया। उसमें राजद और कांग्रेस के साथ साथ जदयू, सीपीआई, सीपीएम, सीपीआई एमएल, हिंदुस्तान अवाम मोर्चा और विकासशील इंसान पार्टी शामिल हैं। ध्यान रहे लेफ्ट की तीनों पार्टियां और हम व वीआईपी भी यूपीए के घटक नहीं हैं।इसी तरह महाराष्ट्र में शरद पवार की पार्टी एनसीपी यूपीए का घटक दल है लेकिन शिव सेना का उद्धव ठाकरे गुट अभी यूपीए में शामिल नहीं हुआ है। इसलिए वहां जब ये तीनों पार्टियां एक साथ आईं तो उनके मोर्चे को महा विकास अघाड़ी यानी एमवीए का नाम दिया गया। वह एमवीए अब भी है। जम्मू कश्मीर में विधानसभा भंग होने से पहले 2018 में राज्य की दोनों प्रादेशिक पार्टियों- पीडीपी और नेशनल कांफ्रेंस ने कांग्रेस के साथ मिल कर सरकार बनाने की पहल की थी। लेकिन तब भी वे पार्टियां यूपीए में शामिल नहीं हुईं। बाद में 2019 में जब अनुच्छेद 370 समाप्त हुआ और राज्य के नेता नजरबंद किए गए तो नजरबंदी समाप्त होने के बाद वहां गुपकर एलायंस नाम से एक गठबंधन बना।

कर्नाटक में अल्पसंख्यक

अजय दीक्षितकई राज्यों में चुनाव होने हैं । चुनावी सरगर्मी के बीच मुस्लिम नेताओं की अपनी पार्टियों से मांग सामने आई है कि उन्हें चुनावों में अधिक सीटें दी जाएं । उनका दावा है कि राजनीति और समाज में उनका प्रतिनिधित्व घटता जा रहा है और मुस्लिम समुदाय हाशिए पर धकेला जा रहा है । दिसम्बर में 182 सीटों वाले गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजे आये । इस चुनाव में सिर्फ एक मुस्लिम उम्मीदवार की जीत हुई और वे थे कांग्रेस के इमरान खेड़ावाला । पिछले विधानसभा चुनाव में गुजरात से तीन मुस्लिम विधायक चुने गये थे । लेकिन इस बार लगभग 10 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले राज्य गुजरात में केवल एक मुसलमान विधायक चुना गया है । लेकिन विधानसभाओं में मुसलमानों के प्रतिनिधित्व की कमी गुजरात या सिर्फ भाजपा शासित राज्यों तक ही सीमित नहीं है । विशेषज्ञों का कहना है कि अब कुछ गैर बीजेपी सरकारें और पार्टियां भी मुस्लिम उम्मीदवारों को हार के डर से टिकट देने या मंत्री बनाने से परहेज करने लगी हैं । कर्नाटक में अप्रैल या मई में विधानसभा की 224 सीटों के लिए मतदान होना है । पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी 224 में से 104 सीटों पर जीत के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी कांग्रेस को 80 सीटों पर और जनता दल सेक्यूलर (जेडीएस) को 37 सीटों पर जीत हासिल हुई थी कांग्रेस और जनता दल सेक्यूलर की मिली जुली सरकार बनी । लेकिन 15 विधायकों ने अपनी पार्टियों से विद्रोह करके भाजपा में शामिल होने का फैसला किया । फिर भाजपा ने सरकार बना ली । मुस्लिम समुदाय के केवल सात विधायक चुनाव जीत कर आये थे और वो भी सभी कांग्रेस पार्टी से । इस बार कांग्रेस और जेडीएस के मुस्लिम नेताओं ने अपनी पार्टियों से मुस्लिम उम्मीदवारों को अधिक टिकट देने की मांग की है । राज्य में लगभग 20 से 23 विधानसभा क्षेत्रों में मुस्लिम वोट काफी महत्वपूर्ण हैं

। कर्नाटक में मुसलमानों की आबादी 13 फीसदी है कांग्रेस के मुस्लिम नेता विधानसभा की कुल 224 सीटों में से 21 से 23 सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार खड़ा करने की मांग कर रहे हैं । उनके अनुसार पिछली बार की तरह इस बार भी अगर मुसलमानों को कांग्रेस ने 15-17 सीटें ही दीं, तो इससे समुदाय का बड़ा नुकसान होगा । कर्नाटक में कांग्रेस विधायक रिजवान अरशद पार्टी के मौजूदा सात मुस्लिम विधायकों में से एक हैं। वो कहते हैं, आज हिन्दुस्तान में जो माहौल बनाया गया है, समाज में जिस तरीके से माइनॉरिटी मेजॉरिटी का खेल खेला जा रहा है और इसमें माइनॉरिटी को अलग करके मेजॉरिटी को जोडने की एक सियासत चल रही है, ये फ़ासिज़्म का जो मॉडल पहले चला है सब जगह, वो हिन्दुस्तान में चल रहा है । जब आप माइनॉरिटी को अलग कर देंगे और मेजॉरिटी को आप अलग कर देंगे और आप चुनाव करवा देंगे, तो जाहिर सी बात है कि माइनॉरिटी कैंडिडेट थोड़ा डिसएडवांटेज में रहेगा । जैसे- जैसे कॉम्युनल पॉलिटिक्स बढ़ती है, तो माइनॉरिटीज के लिए बहुत बड़े चैलेंजेज़ हो जाते हैं । राज्य के धारवाड़ चुनावी क्षेत्र में कांग्रेस नेता इस्माइल टमटगर दो बार जेडीएस के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन दोनों बार वो चुनाव हार गये । अब वो कांग्रेस पार्टी में हैं और वो कहते हैं, धाड़वार से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लडना चाहते हैं । मुस्लिमों को पिछली बार 17 सीटें दी गई थीं, जिनमें से सात उम्मीदवार जीते थे । जीत का प्रतिशत 41 फ़ीसदी है । कांग्रेस के टिकट पर कर्नाटक के अन्य प्रमुख समुदायों का जीत प्रतिशत 33 फ़ीसदी है । प्रतिशत दूसरों की तुलना में बेहतर है, तो ये उचित है कि हम पिछली बार की तुलना में 4-5 सीटों की अधिक मांग करें । हिजाब के कारण पिछले साल कर्नाटक में बड़ा विवाद हुआ था । मुस्लिम नेताओं का दावा है कि इस कारण उनका समुदाय सामाजिक और राजनीतिक तौर पर हाशिए पर आ गया है । हिजाब का विरोध करने वाले हिन्दुओं का कहना है कि मुस्लिम लड़कियों को सरकारी स्कूलों में हिजाब पहन कर नहीं आना चाहिये, बल्कि दूसरे बच्चों की तरह उनको भी स्कूल यूनिफॉर्म पहनना चाहिये । दावणगेरे शहर में जबीना खानम एक मानवाधिकार कार्यकर्ता हैं । वे बीड़ी मजदूरों के अधिकारों के लिए लड़ती हैं । ये सभी मजदूर गरीब मुस्लिम समुदाय से हैं । उनका मानना है कि पिछले साल मुस्लिम समुदाय को अलग-थलग करने के लिए विवाद पैदा किए गए थे। वो कहती हैं, जब हिजाब विवाद समाप्त हुआ, तो हलाल मीट का बहिष्कार शुरू हो गया और जब वो विवाद खत्म हुआ तो अज़ान विवाद शुरू हो गया । परिणामस्वरूप मुस्लिम समुदाय भय में रहता श्रीराम सेने के संस्थापक प्रमोद मुतालिक ने पिछले साल राज्य में हिजाब विवाद के बाद मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार का आह्वान किया था । वो दावा करते हैं कि मुसलमानों के राजनीतिक हाशिए पर जाने की जम्मेदार कांग्रेस की तुष्टिकरण की पॉलिसी है । वे कहते हैं, चाहे विधायक का चुनाव हो या सांसद का, उनकी (मुसलमानों की घटती संख्या देखी जा सकती है । कांग्रेस पार्टी शुरुआत से मुसलमानों का बहुत अधिक तुष्टीकरण किया, जिसके कारण हिन्दू समाज एकत्रित होने लगा । जबीन खानम इसे सही नहीं मानतीं। वो कहती हैं, इण्डिया में मुस्लिम आबादी 15 प्रतिशत है । उसके हिसाब से न तो विधानसभा में हम आवाज़ हैं, न तो संसद में हमारी आवाज़ है । एक तरह से सियासत से दूर किया जा रहा है । वो चाहते हैं कि हम अपने मसले पर आवाज न उठाएं, वो चाहते हैं कि दूसरे दर्जे के शहरी की तरह रहें । हमारे अधिकारों से हमें महरूम करना और हमारी समाजित हालत को बिगाडना । कर्नाटक में मौजूदा विधानसभा में सभी सात निर्वाचित मुस्लिम विधायक कांग्रेस पार्टी से है । आगे देखें क्या होता है ?

भीमकाय तानाशाह पड़ोसी के साये में छोटे सा प्रजातंत्र!

श्रुति व्यासचीन खम ठोंक रहा है। शनिवार को उसने ताईवान के आसपास विशाल सैन्य अभ्यास शुरू किया। इस तीन दिन के ऑपरेशन युनाईटेड शार्प स्वार्ड में ताईवान की घेराबंदी का अभ्यास किया है। लड़ाकू विमान, युद्धपोत और सैनिकों की ताईवान स्ट्रेट के वायु तथा समुद्री क्षेत्रों में कूंच है। मतलब ताइवान के लिए कड़ी चेतावनी' ।इधर ताईवान की राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन अमेरिका गई और वहां उनकी मुलाकात हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव्स के स्पीकर केविन मेकार्थी से हुई तो उधर चीन तिलमिलाया और उसने अपने गुस्से का इजहार करने के लिए ताइवान की घेराबंदी की। जाहिर है त्साई की यात्रा से चीन और अमेरिका के रिश्तों में कड़वाहट बढ़ी है वही ताईवान में भी अंदरूनी तनाव में इज़ाफा हुआ है। पिछले वर्ष भी अमेरिका की तत्कालीन स्पीकर नेन्सी पिलोसी की ताईवान यात्रा के बाद चीन ने ऐसे ही गुस्सा दिखाया था।चीन का दावा है कि ताईवान उसका हिस्सा है। उसे चीन में शामिल करेगा, भले ही इसके लिए उसे बल का इस्तेमाल क्यों न करना पड़े, यह उसका सार्वभौमिक अधिकार है।निसंदेह युद्ध की नौबत ताईवान के 2.30 करोड़ निवासियों के लिए अत्यंत भयावह होगी और दुनिया पर इसके दूरगामी दुष्प्रभाव पड़ेंगे। चीन अगर ताईवान पर हमला करता है तो अमरीका, और संभवतः जापान, आस्ट्रेलिया और ब्रिटेन भी इस युद्ध में घसीट लिए जाएंगे।ताईवान की लड़ाई आकार और खतरे दोनों दृष्टियों से यूक्रेन से बड़े होंगे।कई लोगों का मानना है कि हमले का खतरा बढ़ता जा रहा है। विशेषकर चीन की सत्ता शी जिन पिंग के हाथ में मजबूत होते जाने और ताईवान ही नहीं

बल्कि सभी अंतर्राष्ट्रीय मसलों पर उनके आक्रामक रूख के चलते। पिछले महीने शी ने इस स्व-शासित द्वीपको चीन में शामिल करने का संकल्प दुहराया। उन्होंने कहाँ, ÷हमें बाहरी शक्तियों और ताईवान की स्वतंत्रता संबंधी अलगाववादी गतिविधियों का कड़ा विरोध करना चाहिए। हमें राष्ट्रीय पुनर्जागरण व पुनःएकीकरण के कार्य में अडिगता से जुटे रहना चाहिए।÷ शी ने नेशनल पीपुल्स कांग्रेस को संबोधित करते हुए सैन्य शक्ति के इस्तेमाल से इंकार नहीं किया।इस मामले मेंअमेरिका की ढुलमुल नीति है। वह ताईवान पर चीन की सार्वभौमिकता को स्वीकार नहीं करता लेकिन वह ताईवान को एक स्वतंत्र देश का दर्जा भी नहीं देता। उसके केवल चीन से कूटनीतिक संबंध हैं (हालांकि वह ताईवान को हथियार देता है)।शक नहीं कि पिलोसी की यात्रा के बाद से चीन, अमरीका और ताईवान के आपसी रिश्तों में बदलाव आया है। ताइवान चीन से खिसक रहा है और रूस-यूक्रेन युद्ध से यह दूरी और बढी है। दो पीढ़ी पहले तक ताईवान में सैनिक तानाशाही थी और शासन गुओमिंदांग या केएमटी नामक चीनी राष्टवादी पार्टी के हाथों में था जो सिद्धांत के स्तर पर स्वीकार करती थी कि ताईवान चीन का हिस्सा है। आज ताइवान एक फलता-फूलता लोकतंत्र है जहां सत्ता राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन और उनकी स्वतंत्रता समर्थक डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) के हाथ में है। यद्यपि सन् 2024 में होने वाले चुनाव से ताईवान की आंतरिक स्थिति में परिवर्तन हो सकता है। त्साई अगला चुनाव शायद नहीं लड़े। यह साफ नहीं है कि राष्ट्रपति के पद पर उनका उत्तराधिकारी कौन होगा और यह भी क्या सत्ता पर स्वतंत्रता-समर्थक डीपीपी का कब्जा बना रहेगा। उनकी पार्टी की मुख्य प्रतिद्वंद्वी गुओमिंदांग (केएमटी) का दावा है कि डीपीपी ने चीन से रिश्ते खराब कर लिए हैं और हम इन्हें सुधारेंगे।हालांकि केएमटी चीन समर्थक नहीं है लेकिन उसका मानना है कि चीन से शांतिपूर्ण संबंध बने रहने चाहिए। पूर्व केएमटी नेता मा इंग-जो, जो 2008 से लेकर 2006 तक ताइवान के राष्ट्रपति थे, के कार्यकाल में ताइवान और चीन के सम्बन्ध अत्यंत मधुर थे। दोनों देशों ने 23 व्यापार संधियों पर हस्ताक्षर किये थे, दोनों के बीच सीधी उड़ानें शुरू हुई थी। स्कूली बच्चों का एक्सचेंज प्रोग्राम चला करता था। हाल में मा इंग-जो चीन की यात्रा पर गए थे जिससे उलझन और बढ़ी है।राजनैतिक और रणनीतिक ड्ड दोनों दृष्टियों से ताइवान स्ट्रेट अनिश्चितिता के पंजे में है।इलाके में खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। अगर देश में सत्ता परिवर्तन होता है तो उससे भी टकराव बढेगा ही क्योंकि ताइवान के 60 प्रतिशत से अधिक नागरिक अब स्वयं को केवल ताईवानी के रूप में देखते हैं।एक छोटा सा प्रजातंत्र अपने भीमकाय तानाशाह पड़ोसी के सामने सीना तान कर खड़ा हुआ है, पर पूरे परिदृश्य को इस रूप में देखना ठीक नहीं होगा। अमरीका की ढुलमुल नीति ने हालात को और गंभीर बनाया है। यूएस कौंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस के मुखिया रिचर्ड हास ने यूक्रेन पर हमले के ठीक पहले प्रकाशित अपने लेख में चेतावनी दी थी कि बाईडेन में रणनीतिक स्पष्टता' के कमी के चलते, पुतिन की तरह शी भी हालात का आंकलन करने में गंभीर भूल करने की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

दबोह में सेन समाज ने मनाई संत शिरोमणि सेन महाराज की 723वीं जयंती

युवा पीढ़ी को शिक्षित करने का लिया संकल्प

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- नगर दबोह मे हिमांशु कॉन्वेन्ट स्कूल दबोह मे सोमबार को सेन समाज ने मनाई संत शिरोमणि सेन महाराज की 723वीं जयंती।युवा पीढ़ी को शिक्षित करने का संकल्प लिया सेन समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने कहा कि युवा पीढ़ी को नशा से दूर रखकर शिक्षित बनाने के लिए समाज को आगे आना चाहिए।सबसे पहले अतिथियों,समाज के गणमान्य व अन्य लोगों द्वारा संत शिरोमणी सेन महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित व माला पहनाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।इसके बाद स्थानीय समाज द्वारा अतिथियों को माला व साफा पहना कर सम्मान किया गया।आयोजित कार्यक्रम मे सेन समाज के आराध्य देव सन्त शिरोमणि सेन महाराज की जयंती वक्ता बोले कि आज हमें हमारी युवा पी?ी को हर हाल में शिक्षित करने का संकल्प लेना होगा।खासकर बालिकाओं को हर हाल में शिक्षित करना ही होगा इसके लिए समाज के भामाशाह आगे आकर आर्थिक दृष्टि से कमजोर लोगों की सहायता करें समाज के लोगों को संत शिरोमणि सेन महाराज के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए।इस मौके पर सुरेश महातेमुरारीलाल सविता रामकिशोर दादा,संतोष फौजी,भगवतदास सविता,राजेश परसोदा वाले,प्रदीप दौड़ वाले,नीरेसन,पप्पू भाण्डेर वाले,छोटेराजा,दीपक,पंकज,टिंकू सविता,अजय सविता,दिनेश,रवि

धूम धाम से मनाया गया वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर परमाल सिंह तोमर का जन्मदिन

पुष्पांजली टूडे संवाददाता मालनपुर पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर नगर की वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर परमाल सिंह तोमर का जन्मदिन समस्त पत्रकार बंधु एवं समाजसेवियों ने धूमधाम से मनाया जिसमें धमाल ने अपने 65 साल जीवन का अनुभव डाला सभी ने बैठक चर्चा की जिसमें डॉक्टर ने अपने पत्रकार जगत की 30 साल के अनुभव को साझा किया जिन्होंने निर्भीक निष्पक्ष अपनी कलम से मालनपुर के जनता के लिए आवाज उठाई इसी क्रम में भूषण सिंह कुशवाह ने कहा कि हम तोमर के साथ पिछले 25 साल से लगातार मालनपुर में पत्रकारिता कर रहे हैं हमने कई बार उनका परामर्श लिया है यह अच्छे और नेक व्यक्ति हैं ऐसे ही लालजी सिंह भदोरिया ने भी अपने विचार रखे कहां की डॉक्टर से हमने बहुत कुछ सीखा है जिसमें उपस्थित रहे वरिष्ठ गणमान्य आसाराम सिंह भदोरिया, यशपाल सिंह कुशवाह,कमल किशोर टी टी आई कुंदन सिंह तोमर कांग्रेस कमेटी सेक्टर अध्यक्ष, दिनेश सिंह परिहार उर्फ बंटू वरिष्ठ पत्रकार बृजभूषण सिंह कुशवाह, लाल जी सिंह भदोरिया, करनसिंह तोमर बृजेंद्र पाल बंसल, अमरेंद्र एडवोकेट, पहलवान सिंह राजावत आदि मौजूद रहे सभी ने इनके जीवन के लिए मनोकामना की

ग्राम पनवाडा सिनखेडी पहुंचे डावर

खरगोन जिले से मुन्ना खान
पुष्पांजली टुडे

टांडा बरूड़ निप्र समिपथ ग्राम सिनखेडी पनवाडा ग्रामों का दौरा किया गया क्षेत्रीय विधायक केदार डावर द्वारा दोनों ग्राम के कार्यकर्ताओं से मुलाकात किया विस्तृत रूप से चर्चा की ओर पोलिक बुथ वार मुलाकात किया गया विधायक केदार डावर ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा गया की आप को मुलभुत मिल रही है कि नहीं उनकी समस्या पर चर्चा की विधायक केदार डावर तत्काल प्रभाव से अधिकारियों को निर्देश दिए और निराकरण के निर्देश दिए गए विधायक डावर का अपने विधानसभा क्षेत्र भगवानपुरा धुलकोट के गांवों का दौरा किया जा रहा विधायक के पहुंचने पर। जनता में भी उत्साह देखा जा सकता है

जैतपुरा दूध डेयरी पर असवार पुलिस का छापा,भारी मात्रा में मिलावटी दूध,मावा एवम अन्य सामग्री बरामद

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक
पुष्पांजली टुडे

लहार- मिलावट खोरों पर लगातार हो रही कार्यबाही के चलते मंगलवार को फिर एक बार थाना प्रभारी असवार वैभव तोमर के द्वारा असवार थाना क्षेत्र के ग्राम जैतपुरा श्रीकृष्ण नरवरिया की डेरी पर कार्यबाही की गई।जिसमें लगभग तीस किलो मिलावटी माबा नकली घी के टीन और दूध में मिलाने वाली सामग्री बरामद कर खाद्द निरीक्षक को कार्यबाही हेतु सूचना दी।जिस पर कार्यबाही करते हुए खाद्द निरीक्षक रीना बंसल एवम उनकी टीम ने आकर जप्त माल का सेम्पल लेकर अग्रिम कार्यबाही हेतु प्रतिबेदन बरिष्ठ अधिकारियों को भेजा।

इनका कहना

हमे सूचना मिली थी कि असवार थाना क्षेत्र में नकली दूध घी का कारोबार हो रहा है।जिसके चलते आज छापामार कर खाद्द विभाग से सेम्पलिंग की कार्यबाही कराई गई है उचित कार्यबाही की जाएगी।
वैभव तोमर

पर्दे पर दिखेगी मां नर्मदा की गौरव गाथा

फिल्म एक्टर विक्रम मस्ताल शर्मा ने की पत्रकारों से फिल्म को लेकर चर्चा

सीहोर। अब दर्शक जल्द ही मां नर्मदा की गौरव गाथा पर्दे पर भी देख पाएंगे। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि जल्दी ही मां नर्मदा की गौरव गाथा को लेकर फिल्म प्रदीक्षणा एवं वेब सीरीज की शुरुआत की जाएगी। इस संबंध में प्रसिद्ध फिल्म एक्टर, डायरेक्टर एवं लेखक विक्रम मस्ताल शर्मा ने बताया कि वे जल्दी ही नर्मदा मैया को लेकर एक फिल्म का निर्माण करने जा रहे हैं। फिल्म को लेकर कहानी पूरी लिखी जा चुकी है तो वहीं फिल्म की शूटिंग के लिए लोकेशन भी तय कर ली गई है। फिल्म की शूटिंग जुलाई माह में शुरू की जाएगी जो कि दिसंबर तक चलेगी। फिल्म डायरेक्टर एवं एक्टर विक्रम मस्ताल शर्मा ने बताया कि इस फिल्म के माध्यम से नर्मदा नदी की स्थिति दर्शकों के सामने लेकर आएंगे। फिल्म में नर्मदा परिक्रमा से लेकर नर्मदा मैया के चमत्कार भी दर्शकों तक पहुंचाए जाएंगे। फिल्म एक्टर विक्रम मस्ताल शर्मा एक वेब सीरीज भी बना रहे हैं। इसको लेकर भी उनकी तैयारियां चल रही है। इससे पहले वे कई फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। विक्रम मस्ताल रामायण में बजरंग बली का किरदार निभा चुके हैं। इसके अलावा फिल्म सस्पेंस, साक्षी, आश्रम-3, आंखें, 21 सरफरोश सारागढ़ी सहित कई अन्य फिल्मों में भी अपनी कलाकारी का लोहा मनवा चुके हैं। विक्रम मस्ताल शर्मा सीहोर जिले के सलकनपुर इटारसी के निवासी हैं। उन्होंने मुंबई जाकर फिल्मी दुनिया में छेत्र का नाम रोशन किया है। यहां के युवा एवं कलाकार भी फिल्मी दुनिया में नाम कमाए इसके लिए वे समय-समय पर एक्टिंग के टिप्स भी देते हैं। भविष्य में वे यहां पर एक फिल्म स्टूडियो भी शुरू करेंगे।

पत्रकारों से की फिल्म को लेकर चर्चा-प्रसिद्ध फिल्म एक्टर विक्रम मस्ताल शर्मा ने अपने इटारसी स्थित निवास पर फिल्म को लेकर पत्रकारों से चर्चा की। उन्होंने बताया कि फिल्म में नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक से लेकर नर्मदा के अंतिम छोर तक शूटिंग की जाएगी। इस दौरान विभिन्न लोकेशन पर फिल्म की शूटिंग होगी। फिल्म में स्थानीय कलाकारों को ज्यादा ज्यादा मौका दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि नर्मदा के ऊपर ऐसा पहली बार होने जा रहा है कि जब कोई फिल्म बनाई जा रही है। फिल्म एक्टर विक्रम मस्ताल शर्मा ने बताया कि वह आगामी दिनों में मां बिजासन धाम सलकनपुर को लेकर भी फिल्मों का निर्माण करेंगे। इस दौरान फिल्म एक्टर ने उपस्थित पत्रकारों का शाल, श्रीफल देकर सम्मान भी किया। यहां पर स्नेह भोज का आयोजन भी रखा गया था।

शिवाजी पब्लिक स्कूल में कराया सुंदरकांड, किया भंडारा एवं हिंदू संस्कार को दे रहे हैं बढ़ावा

पुष्पांजली टूडे संवाददाता मालनपुर पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर / मालनपुर के समीप संचालित शिवाजी पब्लिक स्कूल संचालक वरिष्ठ समाजसेवी दिनेश सिंह परिहार उर्फ बंटू हमेशा ही कुछ न कुछ अनोखा कर सुर्खियों में रहते हैंद्य मंगलवार को उन्होंने विद्यालय परिसर में सुंदरकांड का पाठ कराया जिसमें विद्यालय के सभी बच्चों के साथ उनके पालकों ने भी हिस्सा लियाद्य सुंदरकांड एवं पूजा अर्चना के बाद विद्यालय परिसर में भंडारे का आयोजन किया जिसमें विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं और विद्यालय में अध्यनरत बच्चों के साथ उनके पालकों ने भी प्रसादी ग्रहण कीद्य विद्यालय संचालक श्री परिहार ने बताया कि सभी बच्चों की परीक्षाएं हो चुकी है इस अवसर पर मंगलवार को विद्यालय में सुंदरकांड का पाठ एवं पूजा अर्चना के साथ भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हमने सभी बच्चों और पालकों को बुलाया और उन्हें प्रसादी ग्रहण कराई द्यउसके बाद विद्यालय की छुट्टियां कर दी गई हैद्य स्कूल संचालक ने बच्चों के साथ आए पलकों को बताया कि छुट्टियों के दिनों में बच्चों की घर पर ही पढ़ाई का विशेष ध्यान रखें इस अवसर पर उन्होंने बच्चों से कहा कि सभी बच्चे भीषण गर्मी में ज्यादा ना घूमे नहीं बीमार पड़ सकते हो आप अपने घर में ही रहकर खेलकूद के साथ पढ़ाई पर भी विशेष ध्यान दें ताकि आगे की तैयारी कर सकें द्यइस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिका मौजूद रहे

विकलांग बल के प्रदेश सचिव सौरभ बघेल ने पत्रकार पंकज त्रिपाठी को दी जन्मदिन की बधाई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रेस मिडिया पत्रकार कल्याण संघ एवं मध्यप्रदेश स्टेट हेड पुष्पांजली टुडे दैनिक समाचार पत्र व मासिक पत्रिका और मध्यप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष सवर्ण समाज सेवा संस्थान एवं भिण्ड के पूर्व स्थानीय संपादक दैनिक केसरिया हिंदुस्तान वरिष्ठ पत्रकार पंकज त्रिपाठी के जन्मदिन पर विकलांग बल के प्रदेश सचिव सौरभ बघेल एवं उनकी टीम ने जन्मदिन की शुभकामनायें एवं बधाई दी द्य प्रदेश सचिव ने पत्रकार श्री त्रिपाठी के खुशी समृद्धि एवं दीर्घायु के लिए परमात्मा से प्रार्थना की । जन्मदिन की शुभकामनायें एवं बधाई देने के लिए विकलांग बल के प्रदेश सचिव के साथ अध्यापक संघ जिलाध्यक्ष बदन सिंह बघेल आदि उपस्थित रहे। श्री त्रिपाठी ने उपस्थित सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

चोर गिरोह को पकड़ने में सफलता हासिल की

खरगोन जिले से मुन्ना खान
पुष्पांजली टुडे

पुलिस ने इस मामले में 5 चोरों को गिरफ्तार किया है जिसमे 3 नाबालिग है। मंगलवार को मामले का खुलासा करते हुए एसपी धर्मवीर सिंह ने बताया 9 अप्रैल को करण पिता छोटू मुवेल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि मगरखेड़ी में यात्री प्रतीक्षालय के पास से दो बाइक सवार मोबाइल चोरी कर लें गए।शिकायत के आधार पर वाहन चेकिंग लगाई गई जिसमें बाइक सवारों को खलटांका चौकी के पास रोका गया। पूछताछ में दोनों ने बाइक चोरी और मोबाइल चोरी करना कबूल किया। दोनों ने अपना नाम अजय मुकेश बेंगड़ा पुनर्वास थाना धामनोद ओर ओमप्रकाश देवा साठे बताया। इन चोरियों में 3 नाबालिग भी शामिल थे। इनकी निशानदेही पर 11 बाइक , 10 मोबाइल और 3 मोटरपंप बरामद किए गए है। पुलिस अन्य मामलों में भी पूछताछ कर रही है।

धर्मवीर सिंह
पुलिस अधिक्षक
खरगोन

पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह आज सीहोर में

सीहोर/ पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह आज सीहोर जिले के दौरे पर रहेंगे। श्री दिग्विजय सिंह स्थानीय यश राज गार्डन, लुनिया चौराहा सीहोर में 10 बजे पत्रकारगण से पत्रकारवार्ता के माध्यम से मुखातिब होंगे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष बलवीर तोमर ने बताया कि पत्रकार वार्ता के बाद श्री दिग्विजय सिंह सीहोर विधानसभा क्षेत्र के मण्डल, सेक्टर अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे । इसके बादवे सीहोर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस के जिला पंचायत, जनपद पंचायत, नगर पालिका पार्षद, ग्राम पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधि, सेवादल, महिला कॉंग्रेस, युवक काँग्रेस, किसान काँग्रेस, आईटी सेल, एनएसयूआई सहित सभी प्रकोष्ठ के सदस्य एवं सभी वरिष्ठ, कनिष्ठ, पूर्व व वर्तमान पदाधिकारियों सहित कांग्रेस के समस्त कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। इस कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के प्राथमिक सदस्यों को आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम के बाद श्री दिग्विजय सिंहआष्टा रवाना हो जाएंगे और यहां वे आष्टा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसजनों के साथ गोकुल धाम गार्डन में बैठक करेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी सीहोर ने सभी कांग्रेसजनों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है ।

पुण्यतिथि पर पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह को याद किया

ग्वालियर । शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में आज कांग्रेस भवन शिंदे की छावनी पर पूर्व मंत्री स्व. राजेन्द्र सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। श्रद्धांजलि सभा में सभी ने स्व. सिंह को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुनील शर्मा, प्रेमनारायण यादव, चतुंभुज धनोलिया, आनंद शर्मा, उदल सिंह, कृष्णराव दीक्षित, सुरेन्द्र यादव, अशोक प्रेमी, दिलीप सिंह तोमर, अशोक सिंह तोमर, राजेश खान, श्याम रोहिरा, विजय तोमर, सतीश मिश्रा, अविनाश गुप्ता, बृजेश शुक्ला, अनुप शिवहरे, संजीव दीक्षित, सतेन्द्र नागर, आदित्य सिंह सेंगर, राजेश जाटव, राहुल सिंह बघेल, रामप्रकाश, गोविंद राव थोराठ, दीपेन्द्र सिंह यादव, सुभाष गुप्ता, राजेश भदौरिया, श्रीमती गीता गुप्ता, धीरेन्द्र जाटव सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे। संचालन कार्यवाहक अध्यक्ष महाराज सिंह पटेल ने किया।

कोहली-गांगुली ने एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाया

अनुज रावत का बेहतरीन रनआउट, अनुष्का शर्मा पहुंचीं मैच देखने

बेंगलुरु। ढ्ढक्क में शनिवार को डबल हेडर खेला गया। पहले मुकाबले में ऋष्क्र ने छ्व्र को 23 रन से हराया। पहली पारी में विराट कोहली ने हाफ सेंचुरी जमाई। वहीं दूसरी पारी में दिल्ली का टॉप आर्डर पूरी तरह फेल हो गया। मैच के बाद विराट कोहली और सौरव गांगुली ने एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाया। अनुज रावत का शानदार रनआउट थ्रो देखने को मिला, वहीं अमन खान ने डु प्लेसिस का शानदार कैच पकड़ा। मैच के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स इस खबर में हम जानेंगे। दिल्ली कैपिटल्स के अमन खान ने बेंगलुरु के ओपनर फाफ डु प्लेसिस का शानदार फ्लाइंग कैच पकड़ा। पांचवें ओवर में मिचेल मार्श की चौथी बॉल पर डु प्लेसिस ने मिडविकेट पर खेलने की कोशिश की। मिडविकेट पर खड़े अमन खान ने अपना दायां हाथ

निकालते हुए कैच लपक लिया। बॉलीवुड एक्ट्रेस और विराट कोहली की पत्नी ऋष्क्र का मैच देखने चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंची। विराट के अर्धशतक जमाने पर अनुष्का ने सेलिब्रेट भी किया। वह अक्सर बेंगलुरु का मैच देखने स्टेडियम पहुंचती हैं। बेंगलुरु के अनुज रावत ने दूसरी पारी के पहले ही ओवर में ऋष्क्र को विकेट दिला दिया। पहले ओवर में मोहम्मद सिराज की चौथी बॉल पर पृथ्वी शॉ ने ड्राइव खेला और रन लेने के लिए दौड़ पड़े।रावत ने कवर्स पोजीशन पर डाइव मारकर बॉल पकड़ी और थ्रो भी फेंक दिया। थ्रो से बॉल स्टंप्स पर लगी और पृथ्वी को पवेलियन लौटना पड़ा। ब्रष्टष्टढ्ढ सचिव जय शाह और अध्यक्ष रोजर बिन्नी भी चिन्नास्वामी स्टेडियम में ढ्ढक्क मैच देखने पहुंचे। रोजर बिन्नी का जन्म बेंगलुरु में ही हुआ है। वह बेंगलुरु में ही रहते हैं। मैच खत्म होने के बाद दोनों टीम के खिलाड़ी लाइन बनाकर एक-दूसरे से हाथ मिलाने लगे। यहां दिल्ली कैपिटल्स टीम के कोच सौरव गांगुली और ऋष्क्र के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाया। मीडिया रिपोर्ट्स में कुछ दिनों पहले दोनों के बीच अनबन की खबरें भा सामने आई थीं।

आई पी एल में आज का दूसरा मैच जीटी बनाम आरआर

पछले सीजन की फाइनलिस्ट हैं दोनों, हिसाब बराबर करने उतरेगी राजस्थान; जानें पॉसिबल प्लेइंग-11

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) के इस सीजन में आज फिर डबल हेडर मुकाबले खेले जाएंगे। दिन का दूसरा मैच मौजूदा चैंपियन गुजरात टाइटंस (त्रञ्ज) और राजस्थान रॉयल्स (क्रक्र) के बीच होगा जो अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच शाम 7-30 बजे से शुरू होगा। ये दोनों टीमें पिछले साल की फाइनलिस्ट रही थीं। फाइनल मुकाबले में गुजरात ने राजस्थान को सात विकेट से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था। आज जब दोनों टीमें आमने-सामने होंगी तो राजस्थान की नजरें उस हार का बदला लेने पर होगी। वहीं दिन का पहला मुकाबला मुंबई इंडियंस

(रूढ्ढ) और कोलकाता नाइट राइडर्स (ॅचयक्र) के बीच होगा जो मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। राजस्थान का इस सीजन में यह पांचवां मैच होगा। उसे पिछले चार मैचों में तीन में जीत और एक में हार मिली है। राजस्थान ने इस सीजन की शुरुआत जीत से की थी, उसने पहले मैच में हैदराबाद को हराया था। उसके बाद दिल्ली और चेन्नई को हराया। इकलौती हार उसे पंजाब के खिलाफ मिली। गुजरात के खिलाफ टीम के 4 विदेशी खिलाड़ी जोस बटलर, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर और एडम जंपा हो सकते हैं। इनके अलावा संजू सैमसन, युजवेंद्र चहल, यशस्वी जायसवाल और देवदत्त पड्डीकल जैसे खिलाड़ी टीम को मजबूती दे रहे हैं। गुजरात का भी इस सीजन में यह पांचवां मैच होगा। उसे भी पिछले चार मैचों में तीन जीत और एक हार मिली है। गुजरात ने इस सीजन के पहले मैच में चेन्नई को हराया था। उसके बाद उसने दिल्ली और पंजाब को हराया। टीम को इकलौती हार कोलकाता के खिलाफ मिली, जब रिंकू सिंह ने 5 लगातार छक्के लगाकर गुजरात के मुंह से जीत छीन ली थी। राजस्थान के खिलाफ टीम के 4 विदेशी खिलाड़ी डेविड मिलर, राशिद खान, जेशुआ लिटिल और अल्जारी जोसेफ हो सकते हैं। इनके अलावा हार्दिक पंड्या, शुभमन गिल और राहुल तेवतिया जैसे स्टार खिलाड़ी टीम को मजबूती दे रहे हैं। गुजरात टाइटंस का यह लीग में दूसरा ही सीजन है। पहले सीजन में टीम सभी को चौंकाते हुए चैंपियन बनी थी। तब दोनों टीमें 3 बार आमने-सामने हुई थीं। तीनों ही मुकाबलों में गुजरात को जीत मिली थी।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच बैटर के लिए मददगार साबित हो सकती है।

उत्तरांचल ने यंग बंगाल को रौंदा

नयी दिल्ली। उत्तरांचल हीरोज़ ने फुटबॉल दिल्ली बी-डिवीजन लीग में यंग बंगाल एसोसिएशन को 5-1 से परास्त कर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। दिन के अन्य मुकाबलों में ग्लोरियस एफसी ने गोल्डन स्टार्स को 3-2 से, ईव्स एफसी ने हंस क्लब को 1-0 से और यूनियन क्लब ने स्टेट बैंक को 1-0 से परास्त किया। अंबेडकर स्टेडियम पर बीती देर शाम दिल्ली कैंट, कॉसमॉस और कॉलेजियंस फुटबाल क्लब ने संघर्षपूर्ण मैचों में जीत दर्ज कर पूरे अंक अर्जित किये। कैंट ने एंडी हीरोज को 2-1 से, कॉसमॉस ने अशोका को भूपिंदर के गोल से 1-0 से और कॉलेजियंस ने कुशाग्र उप्रेती और साहिल के गोलों से रोहिणी एफसी को दो गोलों से हराया।

सिकंदर, शाहरुख ने दिलाई पंजाब को जीत

लखनऊ। कप्तान सैम करन (31/3) की चतुर गेंदबाजी के बाद सिकंदर रज़ा (41 गेंद, 57 रन) के शानदार अर्द्धशतक और शाहरुख खान (10 गेंद, 23 रन) की आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपरजायंट्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के रोमांचक मुकाबले में दो विकेट से मात दी। सुपरजायंट्स ने कप्तान केएल राहुल (74) के अर्द्धशतक की मदद से पंजाब के सामने 160 रन का लक्ष्य रखा। पंजाब ने यह लक्ष्य आखिरी ओवर की तीसरी गेंद पर हासिल कर लिया। पंजाब के गेंदबाजों ने बेहतरीन अनुशासन का प्रदर्शन करके सुपरजायंट्स के बल्लेबाजों को हाथ खोलने का मौका नहीं दिया। राहुल ने सुपरजायंट्स के लिये सर्वाधिक 74 रन बनाये, लेकिन उन्होंने इसके लिये 56 गेंदें खेलीं। लक्ष्य का पीछा करते हुए रज़ा ने पंजाब के लिये 41 गेंद पर

चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 57 रन बनाये, हालांकि 18वें ओवर में उनके आउट होने के बाद भी पंजाब जीत से 21 रन दूर थी। युवा बल्लेबाज शाहरुख ने अपनी टीम को लक्ष्य तक ले जाने का जिम्मा लिया। उन्होंने अपनी 23 रन की महत्वपूर्ण पारी में 10 गेंद पर एक चौका और दो छक्के जड़े। पंजाब को आखिरी ओवर में सात रन चाहिये थे और शाहरुख ने शुरुआती दो गेंदों पर दो-दो रन भागने के बाद तीसरी गेंद पर चौका जड़कर पंजाब की विजय पताका लहराया।

दिल्ली की लगातार पांचवीं हार

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने विराट कोहली (50) के अर्द्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन की बदौलत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से मात दी। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली के सामने 175 रन का लक्ष्य रखा, जिसके जवाब में दिल्ली 20 ओवर में 151 रन तक ही पहुंच सकी। कोहली ने 34 गेंद पर छह चौकों और एक छक्के की सहायता से 50 रन बनाते हुए आरसीबी को मजबूत शुरुआत दी, हालांकि टीम का मध्यक्रम इसका लाभ नहीं उठा सका। शुरुआती 12 ओवर में 110 रन बनाने वाली आरसीबी मध्यक्रम की असफलता के कारण अंतिम आठ ओवर में 64 रन ही जोड़ सकी। चिन्नास्वामी स्टेडियम पर 175 रन का मामूली लक्ष्य भी दिल्ली के लिये बहुत बड़ा साबित हुआ।

विराट कोहली की आरसीबी का स्टार खिलाड़ी आईपीएल से हुआ बाहर

बीसीसीआई सर्जरी के लिए भेजेगा इंग्लैंड

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 की शुरुआत में ही आरसीबी के खिलाड़ी रजत पाटीदार के चोटिल होने की खबर सामने आई थी। मध्य प्रदेश के इस स्टार क्रिकेटर को चोट की वजह से पूरे आईपीएल से बाहर होना पड़ा। मेडिकल जांच में पाया गया कि रजत पाटीदार को बाईं एड़ी की सर्जरी की जरूरत पड़ेगी। अब इसको लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीसीआई ने कहा है कि वह रजत पाटीदार की सर्जरी का सारा खर्च उठाएगा। इसकी जानकारी एक बीसीसीआई अधिकारी ने दी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह बताया गया कि बीसीसीआई रजत पाटीदार को सर्जरी के लिए इंग्लैंड भेजेगा। हालांकि, वह सैंट्रल कांट्रेक्ट लिस्ट

में नहीं है, लेकिन वह एक टार्गेटेड खिलाड़ी है। वह यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें बेहतर इलाज मिले। उन्हें कुछ दिन पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में शामिल किया गया था, लेकिन वह डेब्यू नहीं कर सके थे। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने एक स्टेटमेंट में कहा था कि दुर्भाग्य से रजत पाटीदार एड़ी की चोट के कारण आईपीएल 2023 से बाहर हो चुके हैं। हम उम्मीद करेंगे कि रजत जल्दी ठीक हो जाए, हम इस प्रक्रिया में उनका साथ देंगे। बता दें कि रजत पाटीदार वही खिलाड़ी हैं, जिन्होंने साल 2022 में आरसीबी के लिए प्लेऑफ में शानदार शतक जड़ा था।

एक मैदान पर सर्वाधिक टी20 अर्द्धशतक बनाने का रिकॉर्ड कोहली के नाम

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के मैच के दौरान टी20 क्रिकेट में एक स्थल पर सर्वाधिक अर्धशतक दर्ज करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। कोहली ने आरसीबी के घरेलू मैदान पर अपना 25वां टी20 अर्धशतक जमाकर यह कीर्तिमान रचा, जबकि इससे पहले यह रिकॉर्ड नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में 24 अर्धशतक जड़ने वाले एलेक्स हेल्स के नाम था। आरसीबी के पूर्व कप्तान ने

33 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया, हालांकि वह 34 गेंद 50 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। आईपीएल 2023 में कोहली एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर तीन मैचों में तीन अर्द्धशतक बना चुके हैं। उन्होंने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ 44 गेंद पर 61 रन बनाने से पहले मुंबई इंडियंस के खिलाफ नाबाद 82 रन बनाकर अपने अभियान की शुरुआत की थी। कोहली ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 22 अर्द्धशतक और तीन शतक बनाए हैं। यह स्थल आईपीएल में कोहली के लिये एक यादगार मैदान रहा है क्योंकि उन्होंने यहां 2,539 रन बनाए हैं, जिसमें 19 अर्द्धशतक और तीन शतक शामिल हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में, कोहली बेंगलुरु में पांच मैचों में सिर्फ एक अर्धशतक बना सके हैं। उन्होंने चैंपियन्स ट्रॉफी 2011 के दौरान इस मैदान पर दो अर्द्धशतक बनाये थे।

सलीम दुर्रानी भारतीय क्रिकेट के प्रिंस थे : सलमान खुर्शीद

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय टेस्ट क्रिकेटर और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित सलीम दुर्रानी की याद में प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। दुर्रानी का दो अप्रैल को निधन हो गया था, वह 86 साल के थे। उनके चार दशक पुराने सहयोगी इंदर मलिक की ओर से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पूर्व क्रिकेटर, क्रिकेट कोच, खेल पत्रकार, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के

अलावा दिल्ली के क्रिकेट प्रेमियों ने शरीक होकर दिवंगत दुर्रानी को श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने दिवंगत दुर्रानी को श्रद्धांजलि देते हुए उनके साथ बिताए हुए पलों को याद कर कहा कि सलीम जी एक ऐसे व्यक्ति थे जिनकी जितनी ही प्रशंसा की जाए कम पड़ जाएगी। उन्होंने कहा, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) बीयर की तरह है जबकि सलीम दुर्रानी वाइन की पूरी बोतल की तरह थे। मैं भी क्रिकेटर बनना चाहता था और सलीम साहब को खेलता देखने के लिये सेंट स्टीफेंस कॉलेज से भाग कर रणजी मैच देखने रेलवे स्टेडियम गया था। उनका जलवा ही अलग था। खेल पत्रकार राकेश थपलियाल ने सलीम दुर्रानी के साथ बिताए पलों के बारे में कहा, मैं हिंदुस्तान अखबार में काम करता था तो सलीम साहब और इंदर मलिक वहां आते थे। एक बार मैंने सलीम साहब को बताया कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड टेस्ट क्रिकेटर की विधवा को भी पेंशन देता है।

राहुल ने डाइव लगाकर कैच लपका:पूरन जीरो पर आउट, शाहरुख ने पकड़े दो मुश्किल कैच

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) में पंजाब किंग्स ने रोमांचक मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स को 2 विकेट से हरा दिया। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए रुस्त्र ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 160 रन बनाए। जवाब में क्कक्चयस्-ने आखिरी ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। शाहरुख ने हवा में बॉल को उछाल कर दो बार कैच पकड़े और काइल मेयर्स ने सीजन का 300वां छक्का लगाया। मैच के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स इस खबर में हम जानेंगे। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाड़ी काइल मेयर्स ने सीजन का 300वां छक्का लगाया। मैच के पांचवें ओवर में कगिसो रबाडा की बॉल पर मेयर्स ने डीप स्क्वायर पर सिक्स लगाया। यह इस सीजन का 300वां सिक्स रहा। मेयर्स ने 23 गेंद पर 29 रन बनाए, इस पारी में उन्होंने एक चौका और 3 छक्के लगाए। पिछले मैच में रुस्त्र के हीरो निकोलस पूरन पंजाब के खिलाफ जीरो पर आउट हो गए। 15वें ओवर की

तीसरी बॉल पर कगिसो रबाडा ने उन्हें चलता किया। इस विकेट से पिछली बॉल को अंपायर ने वाइड करार दिया था। रबाडा ने इसके खिलाफ रिव्यू लिया, लेकिन डिसीजन बैटर के पक्ष में आया और वह नॉटआउट रहे। लेकिन अगली ही गेंद पर पूरन ने डीप मिड विकेट पर शॉट खेला और शाहरुख खान को कैच थमा बैठे। पंजाब किंग्स के खिलाडी शाहरुख खान ने दो कैच बॉउंड्री के बाहर जाने के बाद फिर अंदर आ कर पकड़े। पहला कैच निकोलस पूरन का पकड़ा और दूसरा डेब्यूटांट युद्धवीर सिंह चरक का लिया। आखिरी ओवर में सैम करन की बॉल पर युद्धवीर ने लॉन्ग ऑन पर शॉट खेला। शाहरुख ने कैच लिया और फिर बॉउंड्री के अंदर जाने से पहले बॉल को हवा में उछाल दिया। शाहरुख फिर बाउंड्री से अंदर आए कैच पूरा किया। युद्धवीर को डेब्यू ढ्ढक्क मैच में खाता खोले बगैर पवेलियन लौटना पड़ा। मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से युद्धवीर सिंह चरक ने ढ्ढक्क डेब्यू किया। उन्होंने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। पहले ओवर की तीसरी बॉल युद्धवीर उन्होंने बैक ऑफ लेंथ फेंकी। अथर्व तायड़े खाता खोलो बगैर थर्ड मैन पर कैच आउट हो गए। 16वें ओवर की आखिरी बॉल पर मार्क वुड ने जितेश को आउट किया। जितेश ने ऑफ साइड में बॉल को ड्राइव, लेकिन केएल राहुल ने बाएं तरफ बेहतरीन डाइव लगाते हुए उनका कैच पकड़ लिया। जितेश 2 ही रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

धुंधलाए अतीत की जीवंत झांकी

कनाडा का यदि संग्रहालयों का देश कहा जाए तो शायद गलत नहीं होगा। इस देश में कोई भी बड़ा-छोटा नगर और कस्बा ऐसा नहीं है जहां संग्रहालय की स्थापना न की गई हो। कनाडाई जीवन तथा समाज से जुड़ा कोई ही पक्ष ऐसा होगा जिसके अभ्युदय, विकास, उपलब्धियों और भविष्यगत संभावनाओं का विशद् विवरण इन संग्रहालयों में न मिलता हो। अपनी विरासत और संस्कृति के साथ-साथ विश्व-सभ्यताओं तथा संस्कृतियों का ऐतिहासिक लेखा-जोखा यहां के संग्रहालयों-विथिकाओं में जाना समझा जा सकता है। कनाडा के अतिरिक्त ईरान, चीन, फ्रांस, अमेरिका, ब्रिटेन और एशिया महाद्वीप के साथ इस्लाम, यहूदी, ईसाई, बौद्ध और विश्व की अन्य कई राष्ट्रीयताओं-धर्मों की गहन जानकारी इन संग्रहालयों में सहज उपलब्ध है। वर्तमान समय की शिक्षा, विज्ञान, कृषि, तकनीक, खेल, सिनेमा-थियेटर, प्रकृति, समाजशास्त्र, भू-विज्ञान, कला-संस्कृति, मानव शास्त्र, जीव-जगत तथा रक्षा पद्धति के प्रत्येक पहलू को अत्यन्त सूक्ष्मता एवं सहजता से इनमें प्रदर्शित किया गया है।

कनाडा में संग्रहालयों की अवधारणा ने 16 मई 1856 को आकार लिया और कुछ ही समय में विस्तृत फलक को छूने लगी। इस विस्तार तथा महत्व को समझते हुए इनका प्रबंधन सन् 1927 से एक संघीय विभाग द्वारा किया जाने लगा। वास्तव में संग्रहालय कनाडा की ऐसी धरोहर हैं जहां विद्यार्थियों को व्यावहारिक शिक्षा और मनोरंजन, नागरिकों को समृद्ध जानकारी के साथ राहत, शोधार्थियों को ज्ञान के साथ सहयोग, लेखकों को समझ विकसित करती सामग्री, वरिष्ठ नागरिकों को अकेलेपन से निजात विरासती दाय के रूप में मिलता है। 'अप्पर कनाडा विलेज' में लेखक स्वयं इन विचार-संज्ञाओं का गवाह बना है। यहां घूमते हुए यह अहसास निरन्तर बना रहता है कि यह स्थान एक ही समय में ज्ञान के स्रोत और पिकनिक स्थल दोनों हैं। सप्ताहांत के दिनों सपरिवार यहां घूमना जीवन का अभिन्न अंग है।

विद्यार्थियों-शोधार्थियों को निशुल्क, वरिष्ठ नागरिकों को 20 से 30 फीसदी छूट के साथ प्रवेश दिया जाता है। कनाडा के प्रत्येक नगर-कस्बे मे एक-दो संग्रहालय ऐसे हैं, जिन्हें देख-समझ कर वैचारिक तृप्ति का एहसास होता है। जिस बड़ी संख्या में इनकी स्थापना की गई है उससे इनके महत्व और उपादेयता को समझा जा सकता है -वेंकुवर-30, मांट्रियल-10, ऑटवा-8, कैलगरी-11,टोरंटो-18,क्यूबेक-16। ब्रैमटन, हैमिल्टन, नियाग्रा, किंग्स्टन, बैंफ, एडमोंटन, हेलीफैक्स तथा विन्नीपेग सरीखे छोटे शहरों में भी संग्रहालयों की चमक और प्रभाव को अनुभव किया जा सकता है। भ्रमण के दौरान दर्शक इनसे बतियाते चलते हैं, जब उनके समाज का अतीत साकार हो सम्मुख आ खड़ा होता है। संग्रहालयों में फिल्मांकन और विभिन्न संभागों में कम्प्यूटर पर जानकारी पाकर जीवंतता का एहसास ठीक उसी तरह होता है जैसे कुरुक्षेत्र पेनोरमा में महाभारत युद्ध काल का होता है। 'अप्पर कनाडा विलेज' एक खुला संग्रहालय है, जिसके कर्मचारी जब एक-डेढ़ शताब्दी पहले के कनाडा का जन-जीवन और समाज संरचना को तत्कालीन परिवेश तथा वेशभूषा में हमसे वार्तालाप करते हुए प्रदर्शित करते हैं, तो लगता है हम उसी दुनिया का हिस्सा हैं।

कभी-कभी जब हम गहरे अतीत में झांक कर इतिहास के पन्नों को पलटते हुए अपने परिवार और समाज को जानने का प्रयास करते हैं तो तीन-चार पीढ़ी तक जाकर रुक जाते हैं। समाज से जुड़े विचार तो मानस-पटल पर उभरते हैं, लेकिन उनकी तस्वीर बहुधा धुंधली रह जाती है। ऐसे में व्यक्ति की कल्पनाओं के रंग एक-दूसरे से जुदा दिखाई देते हैं। यह स्थितियां उस समय परिमाणात्मक रूप में बदल जाती हैं, जब इतिहास चित्रों अथवा संरचनाओं द्वारा साक्षात हमारे सम्मुख आ खड़ा होता है।

सन् 1961 में स्थापित 'अप्पर कनाडा विलेज' दो शताब्दियों पूर्व के अपने धुंधलाए अतीत को संजोकर चटक रंगों में तत्कालीन मानव और समाज की दास्तां कहता खुला संग्रहालय है। जो कभी सेंट लॉरेंस नदी किनारे से विलुप्त या नष्ट हुए उन्नीसवीं शताब्दी के ब्रिटिश शासन कालीन दस गांवों की पुनर्प्रस्तुति करता है। यहां उस दौर की पुनर्निर्मित चालीस इमारतों द्वारा कृषि, लघु उद्योग, व्यापार और सामान्य जनजीवन के अनूठे दृश्य उकेरे गए हैं। यह संग्रहालय कनाडा की पहली राजधानी किंग्स्टन और दूसरी राजधानी मॉन्ट्रियल के मध्य वर्तमान राजधानी ओटवा से अस्सी किलोमीटर दूर मौरिसबर्ग में सेंट लॉरेंस नदी के पार्श्व में आबाद है।

पेट की गंदगी को साफ कर देगा अनानास के छिलके का डिटॉक्स ड्रिंक, ये है रेसिपी

चटपटे और ज्यूसी फ्लेवर के वजह से लोग खूब चाव से पाइनएप्पल या अनानास का फल खाना पसंद करते हैं। हम जब भी पाइनएप्पल खाते हैं तो सबसे पहले इसका छिलका उतारकर फेंक देते हैं। लेकिन शायद ही आप जानते होंगे कि जिन छिलकों को आप कचरा समझकर फेंक देते हैं, दरअसल उन छिलकों में विटामिंस और एंटीऑक्सीडेंट का भरपूर खजाना होता है। जी हां, आपने हमें सही सुना पाइनएप्पल के खुरदरे और मजबूत बाहरी हिस्से को आपके कचरे के डिब्बे में फेंकने के बजाय आप इससे एक स्ट्रॉन्ग डिटॉक्स वाटर तैयार कर सकते हैं। अनानास के फल और छिलके में विटामिन सी होता है, जो आपकी इम्यूनिटी को बढ़ाता है। गर्मियों में पाइनएप्पल के छिलकों से बना डिटॉक्स वाटर न सिर्फ आपके पेट की सफाई करेगा बल्कि आपके बालों और स्किन को हेल्दी बनाएं रखेगा।स्ट्रॉन्ग एंटीऑक्सीडेंट का पावरहाउस पाइनएप्पल के छिलके में विटामिन सी, फ्लेवोनोइड्स और बीटा-कैरोटीन एंटीऑक्सीडेंट पाएं जाते हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट हानिकारक विषाक्त पदार्थों को निकालकर शरीर को डिटॉक्स करने का काम करते हैं। पाइनएप्पल के छिलके में मौजूद फ्लेवोनॉयड्स खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को घटाकर हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। दांतों और मसूड़ों के लिए गुणकारी पाइनएप्पल के छिलके में विटामिन सी की मात्रा खूब होती है, जो इम्यूनिटी मजबूत करने के साथ ही शरीर को संक्रमण से लडने में मदद करता है। विटामिन सी मसूड़ों की बीमारी से बचाव करते हुए दांतों के इनेमल को मजबूत रखकर कैविटी को रोकने में मदद करता है। जिससे समय के साथ दांत खराब हो जाते हैं। पाइनएप्पल में खूब पानी होता है जो हाइड्रेटेड रखने के साथ अपके ओरल हेल्थ को भी प्रमोट करता है।पेट साफ करके वजन घटाएं उबले हुए पाइनएप्पल के छिलके के पानी में बहुत अधिक फाइबर होता है, जो पाचन में सहायता करता है और जिससे आपका पेट भरा हुआ रहता है। अनानास के छिलके में मौजूद फाइबर आपके पाचन तंत्र को साफ करके और नियमितता को बढ़ावा देकर शरीर को डिटॉक्सिफाई करने में भी मदद करता है। हड्डियों को मजबूत करता है अनानास के छिलके में मैंगनीज और बीटा कैरोटीन मौजूद होते हैं, जो हड्डी बनाने वाली कोशिकाओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करती है और इससे हड्डियां मजबूत बनती हैं।स्किन, हेयर और नाखूनों को रखता है हेल्दी अनानास के छिलके को उबालकर पीने से आपकी रंगत में निखार आता है और ग्लोइंग मिलती है। अनानास के छिलके में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट आपके बालों और नाखूनों के लिए भी फायदेमंद होते हैं क्योंकि ये फ्री रेडिकल डैमेज से बचाने के साथ ही यूथफूल स्किन मैंटेन बनाए रखता है। ऐसे बनाएं डिटॉक्स ड्रिंक एक बड़े अनानास के सभी छिलकों को छिलकर एक सॉस पैन में पानी के साथ अनानास के कुछ टुकड़ों के साथ डुबा दें, और फिर इसे 25 से 35 मिनट के लिए धीमी आंच पर उबलने दें। आंच बंद कर दें और इस ड्रिंक को छानने से पहले इस मिश्रण को और 30 मिनट के ऐसे ही रहने दें। इसके बाद इसमें चाहे तो कोई स्वीटनर मिलाकर इसे पी सकते हैं।

मन-मस्तिष्क की सेहत संवारती किताबें

समय अनमोल है7 इसे सार्थक कार्यों में लगाने से अच्छा कुछ नहीं7 सार्थक कार्यों की सूची में सीखने-जानने और समझने के लिए पुस्तकों को दिए जा रहे वक्त से अच्छी बात क्या हो सकती है7 यह जानने-समझने के बावजूद स्क्रीन स्क्रॉलिंग की आदत ने लोगों को जीवन की सबसे सुंदर गतिविधि से दूर कर दिया है7 किताबें पढ़ने की आदत हर उम्र के लोगों में कम हुई है। पन्नों पर उतरे शब्दों के माध्यम से कुछ सीखने में रुचि घटी है। इस ओर लौटना आवश्यक है क्योंकि पुस्तकों का साथ ज्ञान, मान, स्वास्थ्य और सुकून सब कुछ देता है।

देश के किसी भी कोने में हों, पुस्तक मेले जैसा आयोजन लोगों को किताबों की दुनिया से रूबरू करवाने का माध्यम बनता है। पन्नों पर उतरे शब्दों से सच्ची मित्रता करवाता है। साथ ही ऐसे आयोजनों से जुड़ा संदेश भी दूर तक जाता है। इन दिनों पटना में चल रहे पुस्तक मेले की थीम %मोबाइल छोड़िए किताब पढ़िए% है। कोरोना विपदा के चलते तीन साल के बाद आयोजित इस पुस्तक मेले में महामारी के दौरान स्क्रीन तक थोड़ी और सिमट गई ज़िंदगी को वास्तविक दुनिया से जोड़ने का सकारात्मक आग्रह लिए है। असल में पुस्तकों के प्रति प्रेम जगाने के लिए ऐसे आग्रह और जागरूकता दोनों ही जरूरी भी हैं। प्रेम, किताबों से मिलने वाली समझ से और जागरूकता इंटरनेट को खंगालते रहने के खामियाजों को लेकर। बच्चों में नैतिक गुणों के विकास से लेकर बड़ों के विचार-व्यवहार में ठहराव और सरोकारी सोच पैदा करने तक, पुस्तकों की बहुत अहमियत है7 ऐसे में मोबाइल से दूरी बनाकर किताबों की ओर लौटने का यह संदेश वाकई मायने रखता है। असल में देखा जाए तो पुस्तकें हमें अंधेरे से रोशनी की ओर ले जाती हैं। इंसान की सबसे अच्छी दोस्त कही जाती हैं । जीवन को परिष्कृत करती हैं। किताबों के साथ मन-मस्तिष्क दोनों को एक सुकून भरा ठहराव मिलता है। आज की बेतरतीब और भागमभाग भरी जीवनशैली में किताबें मन और शरीर दोनों की सेहत संवारती हैं। किताब पढ़ने से सिर्फ ज्ञान नहीं मिलता है, बल्कि पन्ने पलटना सेहत के लिए भी फायदेमंद है। अमेरिका में हुए एक शोध में किताब पढ़ने को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद बताया गया है। शोधकर्ता न्यूरोसाइंटिस्ट बरोनेस सुसान ग्रीनफील्ड के मुताबिक सोशल मीडिया और स्मार्ट गैजेट्स के इस दौर में किताबें पढ़ने की आदत दवा की तरह असर दिखा सकती है। किताबें पढ़ने से सोचने और किसी परिस्थिति को समझने की क्षमता बेहतर होती है। हमारा मन और मस्तिष्क दोनों जाने-अनजाने पढ़े जा रहे शब्दों के भाव से जुड़ाव महसूस करता है। उनके प्रभाव में आता है। एक अध्ययन के मुताबिक 6 मिनट पुस्तक पढ़ने से तनाव 75 प्रतिशत तक कम हो जाता है। इतना ही नहीं किताबें पढ़ने से दिमाग की 'थॉट्स टू एक्शन' पॉवर यानी किसी काम को करने के लिए दिमाग में विचार आने की गतिविधियां भी तेज़ होती हैं। सूचनाएं हों या मनोरंजन, लोगों का जीवन इंटरनेट पर कुछ साझा करने या खोजने में ही बीत रहा है। इस वर्चुअल व्यस्तता ने पुस्तकों के प्रति उदासीनता ला दी है। हर उम्र के लोग मोबाइल में खोए रहते हैं। पढ़ना ही नहीं, कहना-सुनना भी छूट-सा गया है। इंसानी जीवन में तकनीक का हद से ज्यादा बढ़ा दखल असल में शब्दों का साथ ही छुड़वा रहा है। ऐसे में स्क्रीन की दुनिया से बाहर झांकने और किताबें पढ़ने में रुचि लेने के लिए सामुदायिक स्तर पर सकारात्मक संदेश और व्यक्तिगत मोर्चे पर सधी कोशिशें जरूरी हैं । ऐसे में मन-जीवन के मोर्चे पर बहुत से लाभ हमारी झोली में डालने वाली किताबों से दूरी बढ़ना चिंतनीय है । नई पीढ़ी तो तकनीक के जाल में उलझकर पन्ने पलटना ही भूल रही है। बच्चों का समय स्मार्ट गैजेट्स के साथ गुजरने लगा है। ऐसे में जरूरी है कि मोबाइल छोड़ किताबें पढ़ने की ओर लौटने के प्रयास किए जाएं। बच्चे हों या बड़े, स्क्रीन टाइम घटाने की पहल स्वास्थ्य, चिंतन और सरोकारी भाव व विचार-व्यवहार समेत हर मोर्चे पर बेहतर बदलाव ही लाएगी।

हनोई में एक बौद्ध वृक्ष, जड़ें जुड़ी हैं भारत से!

भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद 1959 में बोध गया से बोधी वृक्ष का एक पौधा लेते आये थे, उसे प्राचीन ट्रान क्वॉक पगोड़ा में हो-ची मिन्ह के साथ रोपा था। भारत से जो भी बड़ा शिष्टमंडल हनोई आता है, इस जगह पर सिर नवाने ज़रूर आता है। प्रणब मुखर्जी राष्ट्रपति रहते हुए 16 सितंबर 2014 को ट्रान क्वॉक पगोड़ा आये थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अलावा, अप्रैल 2022 में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला भी यहां आ चुके हैं। हनोई के वेस्ट लेक पर अवस्थित ट्रान क्वॉक पगोड़ा जाइये, वहां उस लहलहाते विशालकाय बोधी वृक्ष के आसपास कोई बोर्ड नहीं मिलेगा, जिससे पता चले कि इसका भारत-वियतनाम के अतीत से कोई संबंध है। पेड़ के चबूतरे पर केवल एक तख्ती लगी है, जिसमें वियतनामी भाषा में लिखा है, 'यहां अगरबत्ती न जलायें।' 545 ईस्वी में निर्मित ट्रान क्वॉक पगोड़ा आने वाले लोग इस हिदायत का पालन करते हैं। चबूतरे के सामने संदेश लिखा है, 'बोलते समय सही शब्दों का चयन करें', 'करने के लिए सही काम चुनें।' बहुत कम लोगों को पता है कि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने बोध गया से मंगाये बोधी वृक्ष का एक और पौधा प्रेसिडेंट हो ची मिन्ह को 1958 में भारत आने पर भेंट किया था। हो ची मिन्ह जब दिल्ली से हनोई लौटे तो उस पौधे को अपने निवास से कुछ सौ क़दम आगे प्राचीन 'वन पिलर पगोड़ा' के प्रांगण में रोपा था। अब वहां लोग बाकायदा अगरबत्ती जलाते हैं, फल-फूल से पूजा करते हैं। वहां लगे बोर्ड पर वियतनामी भाषा में सूचना है, 'राष्ट्रपति हो ची मिन्ह फरवरी 1958 में भारत गये थे, तब उनके समकक्ष ने उन्हें बोधी वृक्ष भेंट किया था।' सवाल है कि भारत-वियतनाम धार्मिक-सांस्कृतिक संबंधों के साक्षी इन जगहों के बारे में आम भारतीय पर्यटकों को क्या कोई जानकारी मिल पाती है?

श्रेष्ठ गुणों का चिंतन

कर्म करो ऐसे न दुखे दूसरों का दिल,
मनमुटाव छोड़कर अब गले मिल,
सोच को खूब ऊंचा उठाओ,
गर्व से सिर को करके ऊँचा दिखाओ,
भला करने वाले हर जगह खुशबू बिखेरते,
अच्छे विचार ही सदा सद्पुरुषों को घेरते,
लगाओ दूसरों की सेवा में खुद का तन,
करो जीवन में सदा श्रेष्ठ गुणों का चिंतन।

मन और अभिव्यक्ति की झलक जब एक जैसी,
बनाती है सामंजस्य खुलापन दिखाती है वैसी,
एक ही मुख वाले होते हैं अंदर और बाहर,
नहीं मुखोटों की जरूरत न ही कोई दहाड़,
होकर निडर सीना है तानते,
हर किसी की इज्जत करना वे जानते,
नियंत्रण में रहता है ऐसे लोगों का मन,
करो जीवन में सदा श्रेष्ठ गुणों का चिंतन।

कर्म से पूर्व जो अटपटे विचार लाते,
जो अपने ही विचारों से खुद को सताते,
दूसरा भी कैसे करें उसकी मदद,
संघर्ष है मन में संशय की जद्दोजहद,
अनसुलझे विचारों की पोटली लेकर घूमते,
वर्तमान में रहकर भी भूत भविष्य को चूमते,
विचारों को व्यवस्थित करने में कर कुछ यत्न,
करो जीवन में सदा श्रेष्ठ गुणों का चिंतन।

सही समय पर सही कर्म करना अच्छा होता,
भूल जाए जो बातों को जिंदगी भर रोता,
कर निर्धारित जीवन में मेहनत और आराम,
पसीना है बहाना जब तक नहीं होती शाम,
मकड़जाल में फंसकर रहना जिंदगी है अधूरी,
खुशी से बिता जीवनभर जिंदगी पूरी,
सुपथ पर बढ़ने का करें हम मनन,
करो जीवन में सदा श्रेष्ठ गुणों का चिंतन।

डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़

नेल पॉलिश को सुखाने में नहीं लगेगा अधिक समय, आजमाएं ये 5 तरीके

यदि आप अपने नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाना पसंद करती हैं, लेकिन इसके सूखने का इंतजार करना परेशानी का कारण बनता है। वैसे तो इसके लिए आजकल बाजार में मेल पॉलिश ड्रायर जैसे उपकरण मौजूद हैं, लेकिन अगर आप इनमें निवेश नहीं करना चाहती हैं तो घर पर ही कुछ घरेलू नुस्खे या ट्रिक्स आजमा सकती हैं। आइए आज हम आपको नेल पॉलिश को जल्दी सुखाने के लिए 5 आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं। ठंडे पानी का करें इस्तेमालनाखूनों पर नेल पॉलिश लगाने से पहले एक कटोरे में ठंडा पानी भर लें और उसमें कुछ बर्फ के टुकड़े डालकर एक तरफ रख दें। अब नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाने के बाद हाथों को ठंडे पानी में 2-3 मिनट तक डुबोकर रखें। जब आप अपने हाथों को कटोरे से निकालेंगे तो आप देखेंगे कि आपके नाखूनों की सतह पर पानी बह रहा है। यह एक स्पष्ट संकेत है कि नेल पॉलिश पूरी तरह से सूख चुकी है। ब्लो ड्रायर आएगा कामसबसे पहले अपने हेयर ड्रायर को कूल-सेटिंग पर सेट करें। इसके बाद एक बार जब आप अपने नाखूनों पर नेल पॉलिश लगा लें तो ड्रायर को अपने नाखूनों के चारों ओर 2 से 3 मिनट के लिए गोलाकार गति में घुमाएं। बहुत अधिक बल का प्रयोग न करें या इसे अपने नाखूनों के बहुत करीब न पकड़ें क्योंकि इससे नेल पॉलिश खराब हो सकती है। हर महिला के पास ये नेल पॉलिश शेड्स का जरूर चयन करना चाहिए। कुकिंग ऑयल या हेयरस्प्रे भी है प्रभावीकुकिंग ऑयल का एक छिड़काव नेल पॉलिश सुखाने के समय में कटौती करने का एक शानदार तरीका है। लाभ के लिए अपने नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाएं और 2-3 मिनट रूककर इस पर कुकिंग ऑयल छिड़कें। कुछ मिनट प्रतीक्षा करें और अपने हाथों को ठंडे पानी से धो लें। वैकल्पिक रूप से, आप हेयरस्प्रे का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। घर पर इन 5 तरीकों से हेयरस्प्रे बनाएं। ड्राय स्प्रे और ड्रॉपर है कारगरयह भी नेल पॉलिश सुखाने का आसान तरीका है। नेल पॉलिश सुखाने वाले स्प्रे या बूंदों का उपयोग न केवल नेल पॉलिश को तेजी से सुखाने में मदद करते हैं बल्कि आपके नाखूनों को सुपर शाइनी भी बनाते हैं। ये उत्पाद आपके क्यूटिकल्स के आसपास की त्वचा को पोषण देने और कंडीशन भी करते हैं। स्वस्थ नाखूनों के लिए हॉट ऑयल मैनीक्योर का चयन करें। नेल पॉलिश का एक कोट लगाएंआप अपने नाखूनों पर जितने ज्यादा नेल पॉलिश का कोट लगाएंगे, इसे सुखाना उतना ही मुश्किल होगा। मोटी परतों के विपरीत अगर नेल पॉलिश का एक कोट लगाया जाए तो यह जल्दी सूख जाता है। हालांकि, इससे आपको नेल पॉलिश की सही फिनिशिंग नहीं मिल पाएगी, इसलिए नेल पॉलिश के 2-3 कोट लगाने के बाद इन पर ट्रांसपेरेंट नेल पॉलिश लगाना सही रहेगा।

पनिहार क्षेत्र में पहाडी स्थित कंजरो के डेरे पर जमीन में दबाकर रखी गई हाथ भट्टी की अवैध कच्ची जहरीली शराब की जप्त

जमीन में गड्ढा कर रखे हुए 03 ड्रम शराब से भरे हुये, 12 खाली ड्रम व शराब बनाने के बर्तन किये जप्त

रहीश भैया 7869883786

ग्वालियर। । पुलिस अधीक्षक ग्वालियर राजेश सिंह चंदेल, के निर्देशानुसार ग्वालियर पुलिस द्वारा जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में नशा मुक्ति अभियान के तहत अवैध शराब व मादक पदार्थ के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। कार्यवाही के दौरान दिनांक 18.04.2023 को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि थाना पनिहार क्षेत्र में बरई गांव की तिगरा पहाडी में कंजरों द्वारा डेरा डालकर अवैध कच्ची शराब का निर्माण किया जा रहा है। उक्त सूचना पर से अति. पुलिस अधीक्षक ग्वालियर-ग्रामीण जयराज कुबेर द्वारा अपने अधीनस्त को सूचना की तस्दीक कर अवैध शराब बनाने वाले वालों के खिलाफ कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में एसडीओपी घाटीगांव संतोष कुमार पटेल के कुशल मार्गदर्शन में कार्य करते हुये थाना प्रभारी पनिहार उनि0 प्रवीण शर्मा, थाना प्रभारी घाटीगांव उनि0 शैलेन्द्र सिंह, थाना प्रभारी भॅवरपुरा उनि0 बलवीर मावई, थाना प्रभारी आरोन उनि0 अभिनव शर्मा द्वारा पुलिस बल के साथ मुखबिर के बताये स्थान पनिहार के बरई गांव की तिगरा पहाडी में कंजरों के डेरों पर दबिश दी गई। पुलिस टीम को दलबल के साथ आता देख अवैध कच्ची शराब बनाने वाले कंजर भाग गए। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर सूचना के आधार पर पहाडी में झाडियों के नीचे पुराने ड्रम गढे होने व उनमें कच्ची शराब होने की सूचना थी। जिसे सब्बल के माध्यम से देखा गया तो शराब की बदबू आ रही थी। पहले हाथों से खोदा लेकिन पथरीली जगह होने से ड्रमों को निकालना मुश्किल था। जेसीबी को मौके में बुलाकर खुदाई की गई तो पुलिस टीम को 03 ड्रम शराब के भरे हुये मिले व डेरे से 12 खाली ड्रम व शराब बनाने के बर्तन मिले। जिन्हे पुलिस टीम द्वारा जप्त कर धारा 34(2) आबकारी एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जप्त मशरुका - 03 ड्रम अवैध कच्ची शराब कीमती 80 हजार रूपये, 12 खाली ड्रम एवं शराब बनाने के बर्तन ।

सराहनीय भूमिका - अवैध शराब के विरुद्ध की गयी कार्यवाही में थाना प्रभारी पनिहार उनि0 प्रवीण शर्मा, थाना प्रभारी घाटीगांव उनि0 शैलेन्द्र सिंह, थाना प्रभारी भॅवरपुरा उनि0 बलवीर मावई, थाना प्रभारी आरोन उनि0 अभिनव शर्मा व पुलिस बल की सराहनीय भूमिका रही।

ग्वालियर में विहंगम योग संस्थान द्वारा 5100 कुण्डीय वैदिक महायज्ञ का आयोजन

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। सदगुरु सदाफलदेव विहंगम योग संस्थान, प्रयागराज, के तत्वावधान में 7 मई 2023 को ग्वालियर के मेला मैदान में 5100 कुण्डीय वैदिक महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। प्रातः लगभग 7 बजे से प्रारंभ होने वाले इस महायज्ञ के प्रत्येक कुण्ड पर मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थानों से पधारे यजमानगण सपरिवार बैठकर इसमें हिस्सा लेंगे। सदगुरु स्वतन्त्रदेवजी महाराज और संतप्रवर श्री विज्ञानदेवजी महाराज की पावन उपस्थिति में संस्थान के विद्वान विद्यार्थी पुरोहित की भूमिका में होंगे। विशुद्ध रूप से वेदमंत्रों के साथ महायज्ञ का आयोजन एक वैदिक और सनातन परम्परा है। यज्ञ को गीता में श्रेष्ठतम कर्म की संज्ञा दी गई है। यह ऐसा उत्तम कर्म है जिसके माध्यम से समस्त श्रेष्ठ कामनाओं की पूर्ति होती है। अतः सनातन धर्म में इसे नियमित रूप से करने का विधान किया गया है।यज्ञोपरांत शाम की सत्संग संध्या में भारत की प्राचीनतम

ब्रह्मविद्या, जिसे संतसाहित्य में मीनमार्ग और विहंगम योग भी कहा गया है, के सिद्धांत और विधि पर विशद चर्चा की जाएगी। पूरे दिन के दौरान गीता के छठे अध्याय में वर्णित योग की प्रथम विधि का उपदेश यानी सिखाने का कार्य भी चलता रहेगा।संध्याकालीन सत्र में संतप्रवरश्री विज्ञानदेव जी महाराज की दिव्यवाणी और सदगुरुदेव स्वतंत्रदेवजी महाराज की अमृतवाणी होगी।कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए गोला के मंदिर चौराहे के पास एक कार्यालय भी स्थापित किया गया है।विहंगम योग सन्तसमाज के प्रादेशिक उपाध्यक्ष श्री बी.एल.राजपूत और महामंत्री श्री विजय मिश्रा ने सभी सुधिजनों और धर्मप्रेमियों से इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने का अनुरोध किया है

सामुदायिक भवन और संत कुटीर निर्माण के लिए हुआ भूमि पूजन

ग्वालियर । मुरार के परशुराम मंदिर परिसर में कांग्रेस विधायक डा. सतीश सिकरवार की निधि से सामुदायिक भवन निर्माण और दक्षिण के कांग्रेस विधायक प्रवीण पाठक की निधि से संत कुटीर निर्माण के लिए कांग्रेस अध्यक्ष डा. देवेंद्र शर्मा के मुख्य आतिथ्य में भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्राह्मण सभा मुरार के अध्यक्ष नरेश कटारे ने की । विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक सतीश सिकरवार, पंडित वासुदेव शर्मा कक्का पूर्व अध्यक्ष ब्राह्मण सभा मुरार और पंडित हरिशंकर स्योती मौजूद रहे। इस मौके पर विधायक डॉ.सतीश सिकरवार ने कहा कि भगवान परशुराम मंदिर समिति की लंबे समय से सामुदायिक भवन बनाने के प्रयास चल रहे थे, यह प्रयास आज सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर के पास घासमंडी में बनने वाले सामुदायिक भवन से बड़े कार्यक्रम करने में आसानी होगी। मंदिर विकास के काम होते रहेंगे । इस मौके पर डॉ. देवेंद्र शर्मा और अध्यक्ष नरेश कटारे ने भी विचार व्यक्त किए।

विशेष बच्चों ने बनाई कलाकृतियां, काटा केक

ग्वालियर । रोशनी रामकृष्ण आश्रम की रजत जयंती समारोह श्रृंखला के द्वितीय चरण में आज विशेष बच्चों ने केक काटे तथा पेंटिंग्स भी बनाई। रामकृष्ण मिशन के स्वामी शुभ्रानंद द्वारा विधि विधान से दीप प्रज्वलित कर संस्था की उत्तरोत्तर उन्नति की कामना की । इस अवसर पर आशीष वचन व्यक्त करते हुए उन्होंने रोशनी संस्था के 25 साल के कामों की सराहना करते हुए सेवा कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया ताकि विशेष बच्चों के पुनर्वास का काम और भी मजबूती से हो सके ।

संस्था की संस्थापक संचालिका श्रीमती मंजुला पाटणकर ने रोशनी की प्राचार्या श्रीमती राखी अस्थाना सहित पूरी टीम को साधुवाद दिया । उन्होंने विशेष बच्चों के माता पिता की भी सराहना की जो पूरे सब्र के साथ अपने बच्चों के साथ खड़े हैं और संयुक्त प्रयासों से कई अच्छे परिणाम भी आ रहे हैं । रोशनी संस्था की पूरी टीम आज उत्साहित थी और बच्चों के माता-पिता भी खुलकर अपने जुड़ाव का प्रदर्शन कर रहे थे और सुखद संस्मरण भी सुना रहे थे7 विशेष बच्चों ने रंग शिल्प संस्था के संस्थापक अध्यक्ष वरिष्ठ कलाकार केपी श्रीवास्तव, संस्था की कला अध्यापिका श्रीमती भावना तथा अन्य प्रशिक्षकों की देखरेख में विशेष बच्चों ने कलाकृतियां बनाई ।

पंजाबी समाज की अध्यक्ष समाजसेवी मधु भारद्वाज का निधन

ग्वालियर। पंजाबी समाज की अध्यक्ष एवं समाजसेवी मधु भारद्वाज का मंगलवार को दुखद निधन हो गया। श्रीमती मधु भारद्वाज के निधन का समाचार मिलते ही राजनैतिक, सामाजिक संगठनों एवं आम लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। कांग्रेस विधायक प्रवीण पाठक ने श्रीमती मधु भारद्वाज के निधन पर दुख व्यक्त करते हुये कहा कि अभी कुछ दिनों पहले ही उनके जन्मदिन के उपलक्ष्य में मेरी बहन ने उनसे बात करवाई थी। उनका अचानक यूं चले जाना बहुत ही निराशापूर्ण है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे उन्हें श्री चरणों में स्थान दें और परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478